वह आदमी जो भगवान था

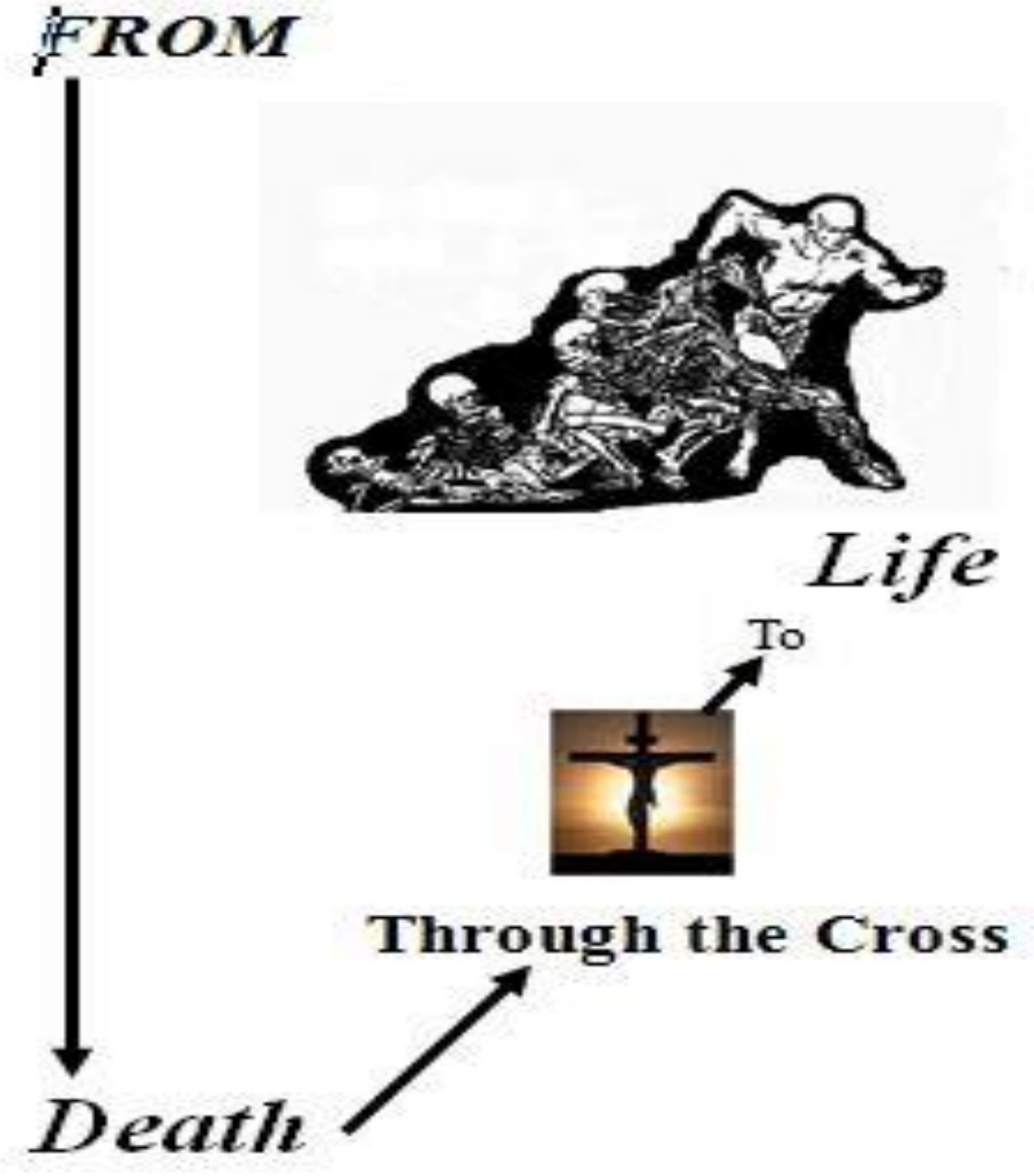

Joe McKinney

From Death to Life

You are encouraged to study your Bible to prove the truth presented in these lessons or any other lesson. The comments presented herein are those of the authors and the compiler. You should verify their comments and opinions and teachings by others; e.g., a pastor, preacher, priest, rabbi, commentator, or publisher as it is YOUR responsibility to seek, know and do God's will.

In verifying to read different Bible translations, refer to Bible dictionaries and lexicons for meaning of words or phrases you do not know. Be careful with dictionary definitions as dictionaries give meaning of words and phrases from original language through current usage.

The meaning of words and phrases change over time. Also, several Greek words may be translated into one word in English and may distort the original meaning. For instance, the Greek words *de* and *kai*" were translated as "and" in English. *De* is used to separate two nouns whereas *kai* connects two nouns.

Let God speak to you from His Holy Word as recorded in the Bible.

International Bible Knowledge Institute
IBKI grants permission to reproduce for non-commercial purposes lessons in their entirety without change or charge.
Randolph Dunn, President - Roberto Santiago, Dean
Visit our website Thebibleway.net
Contact us at info.India.IBKI@gmail.com

वह आदमी जो भगवान था

इन पाठों या किसी अन्य पाठ में प्रस्तुत सत्य को साबित करने के लिए आपको अपनी बाइबल का अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यहाँ प्रस्तुत टिप्पणियाँ लेखकों और संकलनकर्ताओं की हैं। आपको दूसरों द्वारा उनकी टिप्पणियों और राय और शिक्षाओं को सत्यापित करना चाहिए; उदाहरण के लिए, एक पादरी, उपदेशक, पुजारी, रब्बी, टिप्पणीकार, या प्रकाशक क्योंकि यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप परमेश्वर की इच्छा को खोजें, जानें और करें।

विभिन्न बाइबल अनुवादों को पढ़ने के लिए सत्यापित करने में, उन शब्दों या वाक्यांशों के अर्थ के लिए बाइबल शब्दकोश और शब्दकोष देखें जिन्हें आप नहीं जानते हैं। शब्दकोश परिभाषाओं से सावधान रहें क्योंकि शब्दकोश वर्तमान उपयोग के माध्यम से मूल भाषा से शब्दों और वाक्यांशों का अर्थ देते हैं।

समय के साथ शब्दों और वाक्यांशों के अर्थ बदल जाते हैं। इसके अलावा, कई ग्रीक शब्दों का अंग्रेजी में एक शब्द में अनुवाद किया जा सकता है और मूल अर्थ को विकृत कर सकता है। उदाहरण के लिए, ग्रीक शब्द डे और काई का अंग्रेजी में "और" के रूप में अनुवाद किया गया था। डे दो संज्ञाओं को अलग करने के लिए प्रयोग किया जाता है जबकि काई दो संज्ञाओं को जोड़ता है।

परमेश्वर को अपने पवित्र वचन से आप से बात करने दें जैसा कि बाइबल में दर्ज है।

अंतर्राष्ट्रीय बाइबिल ज्ञान संस्थान IBKI बिना किसी परिवर्तन या शुल्क के गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों के पाठों को उनकी संपूर्णता में पुन: पेश करने की अनुमति देता है। रैंडोल्फ़ डन, राष्ट्रपति - रॉबर्टो सैंटियागो, डीन हमारी वेबसाइट Thebibleway.net पर जाएँ हमसे info.India.IBKI@gmail.com पर संपर्क करें

From Death To Life Through The Cross of Christ

"For God so loved the world that he gave his only begotten Son, that whoever believes in him should not perish, but have eternal life. John 3:6

WHO IS GOD?

In these readings you will learn about God who gives us life. Who is He? What has He done? Does He care about us? What does He want from us? Why is it so wrong to worship and serve any person, object or thing other than God?

1. John 17:3 - "Now this is eternal life: that they may know you, the only true God, and Jesus Christ, whom you have sent."

a. To receive eternal life, do you need to know God? **YES or NO**

2. John 4:23, 24 - "Yet a time is coming and has now come when the true worshipers will worship the Father in spirit and truth, for they are the kind of worshipers the Father seeks. God is spirit, and his worshipers must worship in spirit and in truth."

a. God is either spirit or matter. Which? _____

b. Is God seeking people to worship Him? **YES or NO**

3. Acts 17:24-31 - "The God who made the world and everything in it is the Lord of heaven and earth and does not live in temples built by hands. And he is not served by human hands, as if he needed anything, because he himself gives all men life and breath and everything else. From one man he made every nation of men, that they should inhabit the whole earth; and he determined the times set for them and the exact places where they should live. God did this so that men would seek him and perhaps reach out for him and find him, though he is

मृत्यु से जीवन तक मसीह के क्रूस के माध्यम से

"क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। जॉन 3:6

ईश्वर कौन है?

इन रीडिंग में आप हमें जीवन देने वाले परमेश्वर के बारे में जानेंगे। वह कौन है? उसने क्या कर लिया है? क्या वह हमारी परवाह करता है? वह हमसे क्या चाहता है? भगवान के अलावा किसी भी व्यक्ति, वस्तु या वस्तु की पूजा और सेवा करना इतना गलत क्यों है?

1. यूहन्ना 17:3- "अब यह अनन्त जीवन है: कि वे तुम्हें, एकमात्र सच्चे ईश्वर, और यीशु मसीह को, जिसे तुमने भेजा है, जान सकते हैं।"

एक। अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए, क्या आपको परमेश्वर को जानने की आवश्यकता है? है कि नहीं

2. यूहन्ना 4:23, 24- "फिर भी एक समय आ रहा है और अब आ गया है जब सच्चे उपासक पिता की आराधना आत्मा और सच्चाई से करेंगे, क्योंकि वे उस तरह के उपासक हैं जिन्हें पिता चाहता है। परमेश्वर आत्मा है, और उसके उपासकों को आत्मा और सच्चाई से पूजा करनी चाहिए। "

एक। ईश्वर या तो आत्मा है या पदार्थ। कौन सा? _____

बी। क्या परमेश्वर लोगों को उसकी आराधना करने की तलाश कर रहा है? है कि नहीं

3. प्रेरितों के काम 17:24-31- "जिस परमेश्वर ने संसार और उसमें की हर वस्तु को बनाया, वह स्वर्ग और पृथ्वी का स्वामी है और हाथों के बनाए हुए मन्दिरों में नहीं रहता। और वह मनुष्यों के हाथों से सेवा नहीं करता, मानो उसे किसी चीज की आवश्यकता हो, क्योंकि वह स्वयं सभी लोगों को जीवन और सांस और बाकी सब कुछ देता है। उस ने एक ही मनुष्य से सब जातियां बनाईं, कि वे सारी पृथ्वी पर बस जाएं; और उस ने उनके लिये ठहराए हुए समयों को, और उनके रहने के स्थान का ठीक-ठीक निर्धारण किया। परमेश्वर ने ऐसा इसलिए किया ताकि लोग उसे ढूँढ़ें और शायद उसके लिए पहुँचें और उसे ढूँढ़ें, हालाँकि वह हम में से हर एक से दूर नहीं है। 'क्योंकि उसी में हम रहते हैं और

not far from each one of us. 'For in him we live and move and have our being.' As some of your own poets have said, 'We are his offspring.'

"Therefore, since we are God's offspring, we should not think that the divine being is like gold or silver or stone-an image made by man's design and skill. In the past God overlooked such ignorance, but now he commands all people everywhere to repent. For he has set a day when he will judge the world with justice by the man he has appointed. He has given proof of this to all men by raising him from the dead."

a. Who created the world and all that is in it? _____

b. Who needs whom?

____1) We need God

____2) God needs us

c. What shows that God cares for us

____1) He gives us life and breath

____2) He wants us to seek Him

____3) He is always near to each one of us

____4) all of these answers.

d. He who thinks that God is like gold, silver, stone or any other work of art is:

____1) intelligent

____2) ignorant

e. Do you think that God really will judge and condemn those who do not repent, even knowing that He loves and cares for us all? **YES or NO**

4. Romans 1:18-25 - "The wrath of God is being revealed from heaven against all the godlessness and wickedness of men who suppress the truth by their wickedness, since what may be known about God is plain to them, because God has made it plain to them. For since the creation of the world God's invisible qualities-his eternal power and divine nature-have been clearly seen, being understood from what has been made, so that men are without excuse.

"For although they knew God, they neither glorified him as God nor gave thanks to him, but their thinking became futile and their

चलते हैं और हमारा अस्तित्व है।' जैसा कि आपके अपने कुछ कवियों ने कहा है, 'हम उसकी संतान हैं।'

"इसलिए, चूंकि हम भगवान की संतान हैं, इसलिए हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि दिव्य सत्ता सोने या चांदी या पत्थर की तरह है- मनुष्य के डिजाइन और कौशल द्वारा बनाई गई छवि। अतीत में भगवान ने इस तरह की अज्ञानता को नजरअंदाज किया था, लेकिन अब वह हर जगह सभी लोगों को पश्चाताप करने की आज्ञा देता है। क्योंकि उस ने एक दिन ठहराया है, जब वह अपने नियुक्त मनुष्य के द्वारा जगत का न्याय न्याय से करेगा। इस बात का प्रमाण उस ने सब मनुष्यों को मरे हुओं में से जिलाकर दिया है।"

एक। दुनिया और उसमें जो कुछ है, उसे किसने बनाया? _____

बी। किसे किसकी जरूरत है?

____1) हमें भगवान चाहिए

____2) भगवान को हमारी जरूरत है

सी। क्या दिखाता है कि परमेश्वर हमारी परवाह करता है

____1) वह हमें जीवन और सांस देता है

____2) वह चाहता है कि हम उसकी तलाश करें

____3) वह हमेशा हम में से हर एक के पास रहता है

____4) ये सभी उत्तर।

डी। वह जो सोचता है कि भगवान सोने, चांदी, पत्थर या कला के किसी अन्य काम के समान है:

____1) बुद्धिमान

____2) अज्ञानी

इ। क्या आपको लगता है कि परमेश्वर वास्तव में उन लोगों का न्याय और निंदा करेगा जो पश्चाताप नहीं करते हैं, यह जानते हुए भी कि वह हम सभी से प्यार करता है और उनकी परवाह करता है? है कि नहीं

4. रोमियों 1:18-25 - "परमेश्वर का कोप उन मनुष्यों की सब अभक्ति और अधर्म पर स्वर्ग से प्रगट होता है, जो अपनी दुष्टता से सत्य को दबाते हैं, क्योंकि जो कुछ परमेश्वर के विषय में जाना जा सकता है, वह उनके लिए स्पष्ट है, क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें स्पष्ट कर दिया। क्योंकि संसार की रचना के समय से ही परमेश्वर के अदृश्य गुण- उनकी शाश्वत शक्ति और दिव्य प्रकृति- को स्पष्ट रूप से देखा गया है, जो कि बनाया गया है, ताकि मनुष्य बिना किसी बहाने के समझा

foolish hearts were darkened. Although they claimed to be wise, they became fools and exchanged the glory of the immortal God for images made to look like mortal man and birds and animals and reptiles.

"Therefore, God gave them over in the sinful desires of their hearts to sexual impurity for the degrading of their bodies with one another. They exchanged the truth of God for a lie, and worshiped and served created things rather than the Creator who is forever praised. Amen."

a. Even a person who never read the Bible should know that the Creator is powerful, intelligent and divine? **YES or NO**

b. Does the person who denies the existence of God the Creator have any excuse? **YES or NO**

c. Should the fact that God is our Creator cause us to worship and praise Him? **YES or NO**

d. Does God let people follow their own sinful desires even though they are displeasing to Him?

YES or NO

e. Whoever worships and serves things that were created instead of the Creator is? **RIGHT or WRONG**

f. Write some created things that people serve nowadays:

1) _____
2)_____
3)_____

5. Matthew 19:26 – "Jesus looked at them and said, 'With man this is impossible, but with God all things are possible.'"

a. Is there anything that God cannot do? **YES or NO**

b. Can we trust in God to supply all our needs? **YES or NO**

6. John 3:16 - "For God so loved the world that he gave his one and only Son, that

जा सके।

"क्योंकि वे परमेश्वर को जानते थे, तौभी न तो उन्होंने परमेश्वर के रूप में उसकी बड़ाई की, और न उसका धन्यवाद किया, परन्तु उनका सोचना व्यर्थ हो गया, और उनके मूर्ख मनों पर अन्धेरा छा गया। यद्यपि उन्होंने बुद्धिमान होने का दावा किया, वे मूर्ख बन गए और अमर परमेश्वर की महिमा का आदान-प्रदान नश्वर मनुष्य और पक्षियों और जानवरों और सरीसृपों की तरह दिखने वाली छवियों के लिए किया।

"इसलिये परमेश्वर ने उन्हें उनके मन की पापमय अभिलाषाओं के अनुसार व्यभिचार के हाथ में कर दिया, कि वे एक दूसरे के साथ उनके शरीरों का नाश करें। उन्होंने झूठ के लिए परमेश्वर की सच्चाई का आदान-प्रदान किया, और सृष्टिकर्ता के बजाय उसकी पूजा की और उसकी सेवा की, जिसकी हमेशा प्रशंसा की जाती है। तथास्तु।"

एक। यहाँ तक कि एक व्यक्ति जिसने कभी बाइबल नहीं पढ़ी, उसे पता होना चाहिए कि सृष्टिकर्ता शक्तिशाली, बुद्धिमान और दिव्य है? है कि नहीं

बी। क्या वह व्यक्ति जो सृष्टिकर्ता परमेश्वर के अस्तित्व को नकारता है, उसके पास कोई बहाना है? है कि नहीं

सी। क्या यह तथ्य कि परमेश्वर हमारा सृष्टिकर्ता है, हमें उसकी आराधना और स्तुति करने के लिए प्रेरित करता है? है कि नहीं

डी। क्या परमेश्वर लोगों को उनकी अपनी पापपूर्ण इच्छाओं का पालन करने देता है, भले ही वे उससे अप्रसन्न हों?
है कि नहीं

इ। जो सृजी गई वस्तुओं की पूजा और सेवा करता है
निर्माता के बजाय है? सही या गलत

एफ। कुछ ऐसी सृजित चीज़ें लिखिए जो आजकल लोग परोसते हैं:

1) _____
2)_____
3)_____

5. मत्ती 19:26- "यीशु ने उनकी ओर देखा और कहा, 'मनुष्य से तो यह नहीं हो सकता, परन्तु परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है।"

एक। क्या ऐसा कुछ है जो भगवान नहीं कर सकता? है कि नहीं

बी। क्या हम अपनी सभी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए परमेश्वर पर भरोसा कर सकते हैं? है कि नहीं

whoever believes in him shall not perish but have eternal life." (Romans 5:6-8) You see, at just the right time, when we were still powerless, Christ died for the ungodly. Very rarely will anyone die for a righteous man, though for a good man someone might possibly dare to die. But God demonstrates his own love for us in this: While we were still sinners, Christ died for us."

a. Does God love you, even though you are a sinner? **YES or NO**

b. What is the greatest proof of God's love for you?_____

c. What does God want for you? **DEATH or LIFE**

Summary:

You saw that the God who created you also loves you and wants you to seek, worship and glorify Him. This Wonderful God is powerful and "able to do infinitely more that anything we can ask or think" (Ephesians 3:20). He gave us His Son, Jesus, as a great demonstration of His love. Now you need to learn some important things about this Jesus.

WHO IS JESUS?

In these readings you will learn about Jesus the Christ, the Prince of Life. (Acts 3:15) Who is He? What is His importance for us? Why is He worthy of our praise and obedience?

1. John 1:1-4, 14 - "In the beginning was the Word, and the Word was with God, and the Word was God. He was with God in the beginning. Through him all things were made; without him nothing was made that has been made. In him was life, and that life was the light of men. …The Word became flesh and made his dwelling among us. We have seen his glory, the glory of the One and Only, who came from the Father, full of grace and truth."

a. Is Jesus God? **YES or NO**

b. Where can we find life? _____

6. यूहन्ना 3:16- "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।" (रोमियों 5:6-8) आप देखते हैं, ठीक समय पर, जब हम शक्तिहीन थे, मसीह अधर्मियों के लिए मरा। शायद ही कोई किसी नेक आदमी के लिए मरेगा, हालांकि एक अच्छे इंसान के लिए कोई मरने की हिम्मत कर सकता है। परन्तु परमेश्वर हम पर अपना प्रेम इस रीति से प्रगट करता है: जब हम पापी ही थे, तो मसीह हमारे लिये मरा।"

एक। क्या आप पापी होते हुए भी परमेश्वर से प्रेम करते हैं? है कि नहीं

बी। आपके लिए परमेश्वर के प्रेम का सबसे बड़ा प्रमाण क्या है?_____

सी। भगवान आपके लिए क्या चाहता है? मृत्यु या जीवन

सारांश:

आपने देखा कि जिस परमेश्वर ने आपको बनाया है वह भी आपसे प्यार करता है और चाहता है कि आप उसकी तलाश करें, उसकी पूजा करें और उसकी महिमा करें। यह अद्भुत परमेश्वर शक्तिशाली है और "जो कुछ हम मांग या सोच सकते हैं उससे कहीं अधिक करने में सक्षम है" (इफिसियों 3:20)। उसने हमें अपना पुत्र, यीशु, अपने प्रेम के महान प्रदर्शन के रूप में दिया। अब आपको इस यीशु के बारे में कुछ महत्वपूर्ण बातें सीखने की जरूरत है।

यीशु कौन है?

इन रीडिंग में आप यीशु मसीह, जीवन के राजकुमार के बारे में जानेंगे। (प्रेरितों 3:15) वह कौन है? उसका हमारे लिए क्या महत्व है? वह हमारी स्तुति और आज्ञाकारिता के योग्य क्यों है?

1. यूहन्ना 1:1-4, 14- "शुरुआत में शब्द था, और शब्द भगवान के साथ था, और शब्द भगवान था। वह शुरुआत में परमेश्वर के साथ थे। उसके बिना कुछ भी नहीं बन सकता; उसके बिना कुछ भी नहीं बनाया गया था जो बनाया गया है। उसमें जीवन था, और वह जीवन मनुष्यों का प्रकाश था। ... वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच अपना निवास स्थान बना लिया। हमने उसकी महिमा, एक और एकमात्र की महिमा देखी है, जो पिता की ओर से अनुग्रह और सच्चाई से भरी हुई है।"

c. Is Jesus the God who became a man and lived here on earth for a time? **YES or NO**

2. Matthew 1:20-23 - "But after he had considered this, an angel of the Lord appeared to him in a dream and said, 'Joseph son of David, do not be afraid to take Mary home as your wife, because what is conceived in her is from the Holy Spirit. She will give birth to a son, and you are to give him the name Jesus, because he will save his people from their sins.' All this took place to fulfill what the Lord had said through the prophet: 'The virgin will be with child and will give birth to a son, and they will call him Immanuel'-which means, "God with us."

a. Was Jesus conceived miraculously? **YES or NO**

b. Jesus came to save us from what? _____

c. Jesus Christ is:

____1) God who lived here on earth with us in human form

____2) only a good person

3. Matthew 16:13-16 - "When Jesus came to the region of Caesarea Philippi, he asked his disciples, 'Who do people say the Son of Man is?' They replied, 'Some say John the Baptist; others say Elijah; and still others, Jeremiah or one of the prophets.' 'But what about you?' he asked. 'Who do you say I am?' Simon Peter answered, 'You are the Christ, the Son of the living God.'"

a. Who is Jesus? _____

4. John 10:11, 14, 15, 27 - "I am the good shepherd. The good shepherd lays down his life for the sheep." … "I am the good shepherd; I know my sheep and my sheep know me - just as the Father knows me and I know the Father and I lay down my life for the sheep." … "My sheep listen to my voice; I know them, and they follow me."

a. Who is the good shepherd? _____

एक। क्या यीशु परमेश्वर है? है कि नहीं

बी। हमें जीवन कहाँ मिल सकता है? _____

सी। क्या यीशु परमेश्वर है जो मनुष्य बन गया और कुछ समय के लिए यहाँ पृथ्वी पर रहा? है कि नहीं

2. मत्ती 1:20-23- "परन्तु यह सोचकर यहोवा का एक दूत उसे स्वप्न में दिखाई दिया, और कहा, दाऊद के पुत्र यूसुफ, मरियम को अपक्की पत्नी होने के लिये घर ले जाने से मत डर; पवित्र आत्मा। वह एक पुत्र को जनेगी, और तू उसका नाम यीशु रखना, क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा।' यह सब उस बात को पूरा करने के लिए हुआ जो यहोवा ने भविष्यद्वक्ता के माध्यम से कही थी: 'कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र को जन्म देगी, और वे उसे इम्मानुएल कहेंगे' - जिसका अर्थ है, "भगवान हमारे साथ।"

एक। क्या यीशु की कल्पना चमत्कारिक ढंग से की गई थी? है कि नहीं

बी। यीशु हमें किससे बचाने आया था? _____

सी। यीशु मसीह है:

____1) भगवान जो यहाँ पृथ्वी पर हमारे साथ मानव रूप में रहते थे

____2) केवल एक अच्छा इंसान

3. मत्ती 16:13-16- "जब यीशु कैसरिया फिलिप्पी के क्षेत्र में आया, तो उसने अपने शिष्यों से पूछा, 'लोग कहते हैं कि मनुष्य का पुत्र कौन है?' उन्होंने उत्तर दिया, 'कुछ कहते हैं यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला; दूसरे कहते हैं एलिय्याह; और अन्य, यिर्मयाह या भविष्यद्वक्ताओं में से कोई।' 'लेकिन आपका क्या चल रहा है?' उसने पूछा। 'आपको किसने कहा कि मैं कौन हूं?' शमौन पतरस ने उत्तर दिया, 'तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है।'"

एक। यीशु कौन है? _____

4. यूहन्ना 10:11, 14, 15, 27- "मैं अच्छा चरवाहा हूँ। अच्छा चरवाहा भेड़ों के लिए अपना प्राण देता है।" … "मैं अच्छा चरवाहा हूँ; मैं अपनी भेड़ों को जानता हूं और मेरी भेड़ें मुझे जानती हैं - जैसे पिता मुझे जानता है और मैं पिता को जानता हूं और मैं भेड़ों के लिए अपना प्राण देता हूं।" ... "मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं; मुझे उनके बारे में जानकारी है, और वे मेरा पीछा कर रहे हैं।"

एक। अच्छा चरवाहा कौन है? _____

b. Did the good shepherd come to earth to care for us and protect us, even at the cost of his life?

YES or NO

c. For Christ to be your good shepherd, do you have to listen to and follow him? **YES or NO**

5. John 14:6 - “Jesus answered, ‘I am the way and the truth and the life. No one comes to the Father except through me.’”

a. Is there any other way to be saved except by Jesus? **YES or NO**

b. What is the only way you can get to God and receive eternal life?

____1) following some pastor
____2) following some priest
____3) following some guru or religious leader
____4) following Jesus Christ

6. 1 Timothy 2:5 - “For there is one God and one mediator between God and men, the man Christ Jesus.”

a. Is there any other mediator between God and man except Jesus? **YES or NO**

b. Today, can you approach God by way of:

____1) Mary, the mother of Jesus
____2) some saint or good person who has already died
____3) only through Jesus Christ

7. Hebrews 10:10-14 - “And by that will, we have been made holy through the sacrifice of the body of Jesus Christ once for all. Day after day every priest stands and performs his religious duties; again and again he offers the same sacrifices, which can never take away sins. But when this priest had offered for all time one sacrifice for sins, he sat down at the right hand of God. Since that time he waits for his enemies to be made his footstool, because by one sacrifice he has made perfect forever those who are being made holy.”

a. Who offered the only and perfect sacrifice for our sins? _____

बी। क्या अच्छा चरवाहा अपनी जान की कीमत पर भी हमारी देखभाल करने और हमारी रक्षा करने के लिए धरती पर आया था? है कि नहीं

सी। मसीह आपका अच्छा चरवाहा होने के लिए, क्या आपको उसकी बात सुननी और उसका अनुसरण करना है? है कि नहीं

5. यूहन्ना 14:6- "यीशु ने उत्तर दिया, 'मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूं। मुझे छोड़कर पिता के पास कोई नहीं आया।'"

एक। क्या यीशु के अलावा उद्धार पाने का कोई और तरीका है? है कि नहीं

बी। एकमात्र तरीका क्या है जिससे आप परमेश्वर को प्राप्त कर सकते हैं और अनन्त जीवन प्राप्त कर सकते हैं?

____1) कुछ पादरी के पीछे
____2) कुछ पुजारी का अनुसरण
____3) किसी गुरु या धार्मिक नेता का अनुसरण करना
____4) यीशु मसीह का अनुसरण करते हुए

6. 1 तीमुथियुस 2:5- "क्योंकि परमेश्वर और मनुष्यों के बीच एक परमेश्वर और एक मध्यस्थ है, वह मनुष्य मसीह यीशु है।"

एक। क्या यीशु के अलावा परमेश्वर और मनुष्य के बीच कोई अन्य मध्यस्थ है? है कि नहीं

बी। आज, क्या आप निम्न तरीकों से परमेश्वर के पास जा सकते हैं:

____1) मरियम, यीशु की माँ
____2) कोई संत या अच्छा व्यक्ति जो पहले ही मर चुका हो
____3) केवल यीशु मसीह के द्वारा

7. इब्रानियों 10:10-14 -"और उसी इच्छा से हम यीशु मसीह की देह के बलिदान के द्वारा सदा के लिए पवित्र किए गए हैं। प्रति दिन प्रत्येक पुजारी खड़ा होता है और अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन करता है; वह बार-बार वही बलिदान चढ़ाता है, जो पापों को कभी दूर नहीं कर सकता। परन्तु जब यह याजक पापोंके लिथे सर्वदा एक ही बलि चढ़ा चुका, तब परमेश्वर के दहिने जा बैठा। उस समय से वह इस बात की बाट जोहता है, कि उसके शत्रु उसके पाँवों की चौकी बने, क्योंकि उस ने एक ही बलिदान के द्वारा उन्हें जो पवित्र किए जाते हैं, सदा के लिये सिद्ध कर दिया है।”

b. Is the sacrifice of Jesus repeated again and again? **YES or NO**

c. What sacrifice can you offer to God that will pay for your sins?

____ 1) prayers or rosaries
____ 2) personal suffering
____ 3) humble service
____ 4) contributions and tithes
____ 5) acts of charity
____ 6) nothing you can do will pay the price of your sins

Summary

In these verses you saw that Jesus is the Christ, the Son of the Living God, the Way, the Truth and the Life, the only way for us to get to God The Father, the Savior, the perfect and only sacrifice capable of paying for our sins. And he is much more! Try to discover other truths about Jesus in your Bible reading. But you should already understand why the Bible says that "there is no other name under heaven, given to men, by whom we may be saved." (Acts 4:12) You need Jesus to save you from your sins.

Stop and reflect about this wonderful person! Recognize his greatness and how much you need Him for everything, especially for salvation. Seek the salvation and eternal life that is only found in Jesus Christ.

JESUS IS LORD!

In this part you will learn what it means that Jesus is Lord. Why does He have authority over us! Why is it so important to follow His example and obey His commands?

1. Acts 2:36 – "Therefore let all Israel be assured of this: God has made this Jesus, whom you crucified, both Lord and Christ."

a. After his resurrection, Jesus was made to be _____ and_____.

2. Philippians 2:9-11 - "Therefore God

एक। हमारे पापों के लिए एकमात्र और सिद्ध बलिदान किसने चढ़ाया? _____

बी। क्या यीशु का बलिदान बार-बार दोहराया जाता है? है कि नहीं

सी। आप भगवान को कौन सा बलिदान चढ़ा सकते हैं जो आपके पापों का भुगतान करेगा?

____ 1) प्रार्थना या माला
____ 2) व्यक्तिगत पीड़ा
____ 3) विनम्र सेवा
____ 4) योगदान और दशमांश
____ 5) दान के कार्य
____ 6) आप जो कुछ भी नहीं कर सकते वह आपके पापों की कीमत चुकाएगा

सारांश

इन छंदों में आपने देखा कि यीशु मसीह है, जीवित परमेश्वर का पुत्र, मार्ग, सत्य और जीवन, हमारे लिए परमेश्वर पिता, उद्धारकर्ता, पूर्ण और एकमात्र बलिदान जो भुगतान करने में सक्षम है, को पाने का एकमात्र तरीका है। हमारे पापों के लिए। और वह बहुत अधिक है! अपने बाइबल पठन में यीशु के बारे में अन्य सच्चाइयों को खोजने का प्रयास करें। लेकिन आपको पहले से ही समझना चाहिए कि बाइबल क्यों कहती है कि "स्वर्ग के नीचे कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।" (प्रेरितों 4:12) आपको आपके पापों से बचाने के लिए यीशु की आवश्यकता है।

रुकें और इस अद्भुत व्यक्ति के बारे में सोचें! उसकी महानता को पहचानें और आपको उसकी हर चीज के लिए कितनी जरूरत है, खासकर मोक्ष के लिए। उद्धार और अनन्त जीवन की तलाश करो जो केवल यीशु मसीह में पाया जाता है।

यीशु प्रभु है!

इस भाग में आप जानेंगे कि इसका क्या अर्थ है कि यीशु ही प्रभु है। उसका हम पर अधिकार क्यों है! उसके उदाहरण का अनुसरण करना और उसकी आज्ञाओं का पालन करना इतना महत्वपूर्ण क्यों है?

1. प्रेरितों के काम 2:36- "इसलिये सारे इस्राएल को इस बात का

exalted him to the highest place and gave him the name that is above every name, that at the name of Jesus every knee should bow, in heaven and on earth and under the earth, and every tongue confess that Jesus Christ is Lord, to the glory of God the Father. ”

a. Is there any person more exalted than Jesus? **YES or NO**

b. Who is going to confess that Jesus is Lord one day? _____

3. Matthew 28:18 – “Then Jesus came to them and said, ‘All authority in heaven and on earth has been given to me.’”

a. God gave Jesus _____ authority.

b. Does Jesus have the right to order us to do whatever he wishes? **YES or NO**

c. Who has more authority over you?

____1) a church council of religious leaders

____2) the government of the country

____3) a preacher or priest

____4) your family

____5) Jesus Christ

4. John 12:48 - “There is a judge for the one who rejects me and does not accept my words; that very word which I spoke will condemn him at the last day.”

a. Jesus said we will be judged on the last day by the words of

____1) a pastor

____2) a rabbi

____3) a priest

____4) Jesus himself

b. On the Day of Judgment, will the basis of judgment be what you think is right or wrong?

YES or NO

c. On God's judgment day, will you be judged by the words and beliefs of your parents?

YES or NO

निश्चय हो जाए: परमेश्वर ने इस यीशु को, जिसे तू ने क्रूस पर चढ़ाया, परमेश्वर और मसीह दोनों ने बनाया है।"

एक। अपने पुनरुत्थान के बाद, यीशु को _____ और _____ बनाया गया था।

2. फिलिप्पियों 2:9-11- "इसलिये परमेश्वर ने उसे सबसे ऊंचे स्थान पर ऊंचा किया, और उसे वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है, कि स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे हर एक घुटना यीशु के नाम पर झुके, और हर एक जीभ अंगीकार करे कि यीशु मसीह है हे प्रभु, परमेश्वर पिता की महिमा के लिए। "

एक। क्या यीशु से बढ़कर कोई व्यक्ति है? है कि नहीं

बी। कौन स्वीकार करेगा कि एक दिन यीशु ही प्रभु है? _____

3. मत्ती 28:18- "तब यीशु ने उनके पास आकर कहा, 'स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है।'"

एक। परमेश्वर ने यीशु को _____ अधिकार दिया।

बी। क्या यीशु को यह अधिकार है कि वह हमें जो चाहे वह करने का आदेश दे? है कि नहीं

सी। आप पर अधिक अधिकार किसका है?

____1) धार्मिक नेताओं की एक चर्च परिषद

____2) देश की सरकार

____3) एक उपदेशक या पुजारी

____4) आपका परिवार

____5) जीसस क्राइस्ट

4. यूहन्ना 12:48- “उसके लिए एक न्यायाधीश है जो मुझे अस्वीकार करता है और मेरे शब्दों को स्वीकार नहीं करता है; वही वचन जो मैं ने कहा था, वह अन्तिम दिन में उसे दोषी ठहराएगा।”

एक। यीशु ने कहा कि हमारा न्याय अंतिम दिन के शब्दों के द्वारा किया जाएगा

____1) एक पादरी

____2) एक रब्बी

____3) एक पुजारी

____4) स्वयं यीशु

बी। क़यामत के दिन, क्या फ़ैसले का आधार वही होगा जो आप सोचते हैं कि सही है या गलत?

5. Luke 6:46 - “Why do you call me, 'Lord, Lord,' and do not do what I say?”

a. The person who calls Jesus Lord is obligated to _____ him.

b. If you are not obeying Jesus, do you have the right to call him Lord? **YES or NO**

6. Matthew 7:21-23 - “Not everyone who says to me, ‘Lord, Lord,’ will enter the kingdom of heaven, but only he who does the will of my Father who is in heaven. Many will say to me on that day, ‘Lord, Lord, did we not prophesy in your name, and in your name drive out demons and perform many miracles?’ Then I will tell them plainly, ‘I never knew you. Away from me, you evildoers!’”

a. Will all those who call Jesus Lord and believe in him be saved? **YES or NO**

b. Is it necessary to obey Jesus to be saved? **YES or NO**

c. Do you want to obey Jesus in everything? **YES or NO**

7. 1 John 2:6 - “He who says he abides in Him ought himself also to walk just as He walked.”

a. Who is the example that we should imitate in life? _____

b. Should we try to live as Jesus lived, that is, having the same values, virtues and attitudes?

YES or NO

c. It is easy to say, “I am a Christian”, but the person who really abides in Jesus must _____.

8. Luke 14:27, 33 - “‘And anyone who does not carry his cross and follow me cannot be my disciple. … In the same way, any of you who does not give up everything he has cannot be my disciple.’”

a. To be a true disciple of Jesus, must you put him and his will above everything in your life?

YES or NO

है कि नहीं

सी। परमेश्वर के न्याय के दिन, क्या आपका न्याय आपके माता-पिता के वचनों और विश्वासों से होगा?

है कि नहीं

5. लूका 6:46- "आप मुझे 'भगवान, भगवान' क्यों कहते हैं, और जो मैं कहता हूं वह नहीं करते?"

एक। जो व्यक्ति यीशु को प्रभु कहता है, वह उसके लिए _____ के लिए बाध्य है।

बी। यदि आप यीशु की आज्ञा का पालन नहीं कर रहे हैं, तो क्या आपको उसे प्रभु कहने का अधिकार है? है कि नहीं

6. मत्ती 7:21-23- "हर कोई जो मुझ से, 'हे प्रभु, हे प्रभु' कहता है, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करेगा, परन्तु केवल वही जो मेरे स्वर्ग में रहने वाले पिता की इच्छा पर चलता है। उस दिन बहुत से लोग मुझ से कहेंगे, हे प्रभु, हे प्रभु, क्या हम ने तेरे नाम से भविष्यद्वाणी नहीं की, और तेरे नाम से दुष्टात्माओं को न निकाला, और बहुत से चमत्कार न किए? तब मैं उन्हें स्पष्ट रूप से बताऊंगा, 'मैं तुम्हें कभी नहीं जानता था। हे दुष्टों, मुझ से दूर रहो!'"

एक। क्या वे सभी जो यीशु को प्रभु कहते हैं और उस पर विश्वास करते हैं, उद्धार पायेंगे? है कि नहीं

बी। क्या उद्धार पाने के लिए यीशु की आज्ञा का पालन करना आवश्यक है? है कि नहीं

सी। क्या आप हर बात में यीशु की आज्ञा का पालन करना चाहते हैं? है कि नहीं

7. 1 यूहन्ना 2:6- "जो कहता है कि मैं उसमें बना रहता हूं, उसे आप भी वैसे ही चलना चाहिए जैसे वह चला।"

एक। जीवन में हमें किस उदाहरण का अनुकरण करना चाहिए? _____

बी। क्या हमें यीशु की तरह जीने की कोशिश करनी चाहिए, यानी समान मूल्यों, गुणों और दृष्टिकोणों के साथ?

है कि नहीं

सी। यह कहना आसान है, "मैं एक ईसाई हूं", लेकिन जो व्यक्ति वास्तव में यीशु में रहता है उसे _____ होना चाहिए।

8. लूका 14:27, 33- "'और जो कोई अपना क्रूस लेकर मेरे पीछे नहीं

b. Would you decide to become a Christian even if your family were against this decision?

YES or NO

Summary

We see that Jesus is the Lord of all, and that, in practice, this truth means that he is the one who controls the life of the true Christian. You cannot think about being a Christian without bowing before Jesus, and surrendering the control of your life into his hands. Nobody can become a Christian without deciding to obey Him. The Christian's goal is to be like him and obedient to him in everything. But remember the high price Jesus paid to be your Lord. He gave his life for you and now requires that you live for him. Reflect on these truths. Ask yourself if you are ready to call Jesus Lord, knowing the commitment that this confession implies in your life.

WHY DID JESUS HAVE TO DIE?

In these readings you will learn about sin. How does it bring God's punishment upon us? Why were the suffering and death of Jesus on the cross necessary so that we could be saved from God's punishment? How did Jesus resolve the great problem of sin on Calvary's cross?

1. 1 John 3:4; 5:17 - "Everyone who sins breaks the law; in fact, sin is lawlessness.... All wrongdoing is sin, and there is sin that does not lead to death."

a. Is whoever breaks or disobeys God's law a sinner? **YES or NO**

b. If you do something that is not just or right according to God's Word, do you become a sinner?

YES or NO

c. Have you, personally, ever disobeyed God? **YES or NO**

चलता वह मेरा शिष्य नहीं हो सकता। ... उसी तरह, तुम में से जो अपना सब कुछ नहीं छोड़ता वह मेरा चेला नहीं हो सकता।'"

एक। यीशु का सच्चा शिष्य बनने के लिए, क्या आपको उसे और उसकी इच्छा को अपने जीवन में हर चीज से ऊपर रखना चाहिए?

है कि नहीं

बी। क्या आप एक ईसाई बनने का फैसला करेंगे, भले ही आपका परिवार इस फैसले के खिलाफ हो?

है कि नहीं

सारांश

हम देखते हैं कि यीशु सभी का प्रभु है, और व्यवहार में, इस सत्य का अर्थ है कि वह वही है जो सच्चे ईसाई के जीवन को नियंत्रित करता है। आप यीशु के सामने झुके बिना, और अपने जीवन का नियंत्रण उसके हाथों में सौंपे बिना आप एक ईसाई होने के बारे में नहीं सोच सकते। कोई भी व्यक्ति उसकी आज्ञा का पालन किए बिना ईसाई नहीं बन सकता। ईसाई का लक्ष्य उसके जैसा बनना और हर चीज में उसके प्रति आज्ञाकारी होना है। लेकिन याद रखें कि यीशु ने आपके प्रभु होने के लिए जो उच्च कीमत चुकाई है। उसने आपके लिए अपना जीवन दिया और अब आवश्यकता है कि आप उसके लिए जिएं। इन सत्यों पर चिंतन करें। अपने आप से पूछें कि क्या आप यीशु को प्रभु कहने के लिए तैयार हैं, यह जानते हुए कि यह स्वीकारोक्ति आपके जीवन में निहित है।

जीसस को क्यों मरना पड़ा?

इन रीडिंग में आप पाप के बारे में जानेंगे। यह हम पर परमेश्वर का दण्ड कैसे लाता है? क्रूस पर यीशु की पीड़ा और मृत्यु क्यों आवश्यक थी ताकि हमें परमेश्वर की सजा से बचाया जा सके? यीशु ने कलवारी के क्रूस पर पाप की बड़ी समस्या का समाधान कैसे किया?

1. 1 यूहन्ना 3:4; 5:17- "हर कोई जो पाप करता है वह कानून तोड़ता है; वास्तव में, पाप अधर्म है.... सब अधर्म पाप है, और ऐसा पाप है जो मृत्यु की ओर नहीं ले जाता।"

एक। क्या जो कोई परमेश्वर की व्यवस्था को तोड़ता है या उसकी अवज्ञा करता है वह पापी है? है कि नहीं

बी। यदि आप कुछ ऐसा करते हैं जो परमेश्वर के वचन के अनुसार उचित या सही नहीं है, तो क्या आप पापी बन जाते हैं?

है कि नहीं

2. James 4:17 - “Anyone, then, who knows the good he ought to do and doesn't do it, sins”

a. Is the sinner just that person who kills, steals, gets drunk, lies, commits adultery or commits other “terrible crimes?” **YES or NO**

b. Is it also sin to fail to do the good things we know to do? **YES or NO**

c. Have you always done the good things you have known you should do? **YES or NO**

3. Galatians 3:10 - “All who rely on observing the law are under a curse, for it is written: ‘Cursed is everyone who does not continue to do everything written in the Book of the Law.’”

a. The person who does not always do everything that God demands is a sinner and _____.

b. Have you always done everything that God demands? **YES or NO**

4. Romans 3:23 - “For all have sinned and fall short of the glory of God, and are justified freely by his grace through the redemption that came by Christ Jesus.”

a. Are you a sinner? **YES or NO**

b. Make a list of some of your sins:
(Write them on top of the symbol of the cross)

c. Thinking about these, your sins, answer very personally:

1) Do these sins make God sad? **YES or NO**

2) Do these sins make you sad? **YES or NO**

3) Did you know that God will punish sinners? **YES or NO**

4) Would you like to be forgiven of these

सी। क्या आपने व्यक्तिगत रूप से कभी परमेश्वर की अवज्ञा की है? है कि नहीं

2. याकूब 4:17- "तो, कोई भी, जो जानता है कि उसे क्या करना चाहिए और नहीं करना चाहिए, पाप करता है"

एक। क्या पापी वही व्यक्ति है जो हत्या करता है, चोरी करता है, शराब पीता है, झूठ बोलता है, व्यभिचार करता है या अन्य "भयानक अपराध करता है?" है कि नहीं

बी। क्या उन अच्छे कामों को करने में असफल होना भी पाप है जिन्हें हम करना जानते हैं? है कि नहीं

सी। क्या आपने हमेशा वे अच्छे काम किए हैं जिन्हें आप जानते हैं कि आपको करना चाहिए? है कि नहीं

3. गलातियों 3:10- "जो लोग व्यवस्था का पालन करने पर भरोसा करते हैं, वे शाप के अधीन हैं, क्योंकि यह लिखा है: 'शापित है हर कोई जो कानून की पुस्तक में लिखी गई हर चीज को जारी नहीं रखता है।'"

एक। वह व्यक्ति जो हमेशा वह सब कुछ नहीं करता जिसकी ईश्वर मांग करता है वह पापी और _____ है।

बी। क्या आपने हमेशा वह सब किया है जिसकी परमेश्वर माँग करता है? है कि नहीं

4. रोमियों 3:23- "क्योंकि सबने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं, और उसके अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु के द्वारा आया है, स्वतंत्र रूप से धर्मी ठहरे हैं।"

एक। क्या तुम पापी हो? है कि नहीं

बी। अपने कुछ पापों की सूची बनाएं:
(उन्हें क्रॉस के प्रतीक के ऊपर लिखें)

सी। इनके बारे में सोचते हुए, अपने पापों का, व्यक्तिगत रूप से उत्तर दें:

1) क्या ये पाप भगवान को दुखी करते हैं? है कि नहीं

2) क्या ये पाप आपको दुखी करते हैं? है कि नहीं

3) क्या आप जानते हैं कि परमेश्वर पापियों को दण्ड देगा? है कि नहीं

4) क्या आप चाहते हैं कि इन पापों को क्षमा किया जाए और एक छोटे बच्चे की तरह निर्दोष बनें?
है कि नहीं

5) क्या आप हमेशा यीशु के साथ रहना चाहते हैं? है कि नहीं

sins and become as innocent as a little baby?

YES or NO

5) Do you want to live with Jesus forever?
YES or NO

5. Romans 6:23 - "For the wages of sin is death, but the gift of God is eternal life in Christ Jesus our Lord."

a. What does a sinner deserve as his salary?

____ 1) contract a disease
____ 2) a sharp rebuke
____ 3) another chance
____ 4) be forgiven
____ 5) eternal death

b. Is God just when He punishes the sinner?
YES or NO

c. As a sinner do you deserve the punishment of God?
YES or NO

Summary

You should now know that you, like the rest of us, are a sinner who deserves God's condemnation and death. But "God so loved the world that He gave his only begotten son" in order to be able to give us life. Jesus, because he loves you, was crucified on the cross of Calvary to pay the price for all your sins. Now you need to reflect on this because each one of us has to decide how we will react to these truths. If you decide that you want to be forgiven of your sins, you will want to know how to receive forgiveness and pass from death to life.

WHAT MUST I DO TO BE FORGIVEN OF MY SINS?

In these readings you will learn what you must do in order to receive forgiveness of your sins and eternal life. Knowing that Jesus already paid the price for your sins, what must you do to receive the benefit of Christ's sacrifice on the cross?

1. John 3:16 – "For God so loved the world that he gave his one and only Son, that whoever believes in him shall not perish but

5. रोमियों 6:23- "पाप की मजदूरी के लिए मृत्यु है, लेकिन भगवान का उपहार हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है।"

एक। एक पापी को उसके वेतन के रूप में क्या चाहिए?

____ 1) एक बीमारी अनुबंध
____ 2) एक तीखी फटकार
____ 3) एक और मौका
____ 4) क्षमा करें
____ 5) शाश्वत मृत्यु

बी। क्या परमेश्वर पापी को दण्ड देने पर ही ठीक है? है कि नहीं

सी। एक पापी के रूप में क्या आप परमेश्वर के दंड के पात्र हैं? है कि नहीं

सारांश

अब आपको पता होना चाहिए कि आप, हम में से बाकी लोगों की तरह, एक पापी हैं जो परमेश्वर की निंदा और मृत्यु के योग्य हैं। लेकिन "भगवान ने दुनिया से इतना प्यार किया कि उसने हमें जीवन देने में सक्षम होने के लिए अपना इकलौता बेटा दे दिया"। यीशु, क्योंकि वह आपसे प्रेम करता है, आपके सभी पापों की कीमत चुकाने के लिए कलवारी के क्रूस पर क्रूस पर चढ़ाया गया था। अब आपको इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है क्योंकि हम में से प्रत्येक को यह तय करना है कि हम इन सत्यों पर कैसे प्रतिक्रिया देंगे। यदि आप निर्णय लेते हैं कि आप अपने पापों से क्षमा प्राप्त करना चाहते हैं, तो आप जानना चाहेंगे कि क्षमा कैसे प्राप्त करें और मृत्यु से जीवन में कैसे प्रवेश करें।

अपने पापों को क्षमा करने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?

इन पाठों में आप सीखेंगे कि अपने पापों की क्षमा और अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए आपको क्या करना चाहिए। यह जानते हुए कि यीशु ने पहले ही आपके पापों की कीमत चुका दी है, क्रूस पर मसीह के बलिदान का लाभ प्राप्त करने के लिए आपको क्या करना चाहिए?

1. यूहन्ना 3:16- "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।"

एक। अनन्त जीवन पाने के लिए क्या आपको यीशु पर विश्वास

have eternal life."

a. To receive eternal life do you have to believe in Jesus? **YES or NO**

2. John 8:24 - "I told you that you would die in your sins; if you do not believe that I am [the one I claim to be], you will indeed die in your sins."

a. Is it possible to be saved if you do not believe in Jesus? **YES or NO**

3. Romans 10:14-15 - "How, then, can they call on the one they have not believed in? And how can they believe in the one of whom they have not heard? And how can they hear without someone preaching to them?"

a. In order to believe, do you have to hear the gospel of Jesus Christ? **YES or NO**

4. Luke 13:3 - "I tell you, no! But unless you repent, you too will all perish."

a. Will you receive eternal life if you refuse to admit you have sinned and repent of your sins?

YES or NO

5. 2 Corinthians 7:10 - "Godly sorrow brings repentance that leads to salvation and leaves no regret, but worldly sorrow brings death."

a. To repent means:

____1) decide to not continue in sin but to be obedient to God.

____2) only feel remorse for the sins you have committed.

b. Do you want to quit sinning? **YES or NO**

6. Mark 16:16 – "Whoever believes and is baptized will be saved, but whoever does not believe will be condemned."

a. Which of these statements is the truth Jesus taught?

____1) He who believes will be saved and afterwards ought to be baptized

____ 2) He who is baptized will be saved and afterwards ought to believe

करना होगा? है कि नहीं

2. यूहन्ना 8:24- "मैंने तुमसे कहा था कि तुम अपने पापों में मरोगे; यदि तुम विश्वास नहीं करते कि मैं [वही हूं जिसे मैं होने का दावा करता हूं], तो तुम अपने पापों में मरोगे।"

एक। यदि आप यीशु पर विश्वास नहीं करते हैं तो क्या बचाया जा सकता है? है कि नहीं

3. रोमियों 10:14-15- "फिर, जिस पर उन्होंने विश्वास नहीं किया, वे उसे कैसे बुला सकते हैं? और जिस की नहीं सुनी उस पर वे कैसे विश्वास करें? और बिना किसी को उपदेश दिए वे कैसे सुन सकते हैं?"

एक। विश्वास करने के लिए, क्या आपको यीशु मसीह का सुसमाचार सुनना होगा? है कि नहीं

4. लूका 13:3 -"मैं तुमसे कहता हूँ, नहीं! परन्तु जब तक तुम पश्चाताप न करोगे, तुम भी सब नाश हो जाओगे।"

एक। क्या आप अनन्त जीवन प्राप्त करेंगे यदि आप यह स्वीकार करने से इनकार करते हैं कि आपने पाप किया है और अपने पापों का पश्चाताप किया है?

है कि नहीं

5. 2 कुरिन्थियों 7:10- "ईश्वरीय दुःख पश्चाताप लाता है जो मोक्ष की ओर ले जाता है और कोई पछतावा नहीं छोड़ता है, लेकिन सांसारिक दुःख मृत्यु लाता है।"

एक। पश्चाताप करने का अर्थ है:

____1) पाप में बने रहने का नहीं बल्कि परमेश्वर के आज्ञाकारी होने का निर्णय लेते हैं।

____2) केवल अपने द्वारा किए गए पापों के लिए पश्चाताप महसूस करें।

बी। क्या आप पाप करना छोड़ना चाहते हैं? है कि नहीं

6. मरकुस 16:16- "जो कोई विश्वास करता है और बपतिस्मा लेता है वह बच जाएगा, लेकिन जो विश्वास नहीं करता वह दोषी ठहराया जाएगा।"

एक। इनमें से कौन सा कथन यीशु द्वारा सिखाया गया सत्य है?

____1) जो विश्वास करता है वह बच जाएगा और बाद में उसे बपतिस्मा लेना चाहिए

____ 3) He who believes and is baptized will be saved

7. Acts 2:38 - “Peter replied, "Repent and be baptized, every one of you, in the name of Jesus Christ for the forgiveness of your sins. And you will receive the gift of the Holy Spirit.”

a. What is the purpose of this baptism?

____1) for remission (forgiveness) of sins

____2) to announce to the world that you were saved

____3) to become a member of a religious denomination

8. Acts 22:16 – “And now what are you waiting for? Get up, be baptized and wash your sins away, calling on his name.”

a. When was Saul saved?

____1) when he believed in Jesus on the road to Damascus

____2) while he prayed and fasted in Damascus

____ 3) when he was baptized, being washed of his sins

b. What did Saul call on the Lord to do?

____1) wash away his sins

____2) tell the world he had been saved

9. Colossians 2:12 – “Having been buried with him in baptism and raised with him through your faith in the power of God, who raised him from the dead.”

a. Is baptism an expression of faith in the power of God **YES or NO**

b. Is it right to baptize a person who does not believe in Christ? **YES or NO**

10. Romans 6:3-6 - “Or don't you know that all of us who were baptized into Christ Jesus were baptized into his death? We were therefore buried with him through baptism into death in order that, just as Christ was raised from the dead through the glory of the Father, we too may live a new life. If we have been united with him like this in his death, we will certainly also be united with him in his

____ 2) जो बपतिस्मा लेता है वह बच जाएगा और बाद में उसे विश्वास करना चाहिए

____ 3) जो विश्वास करता है और बपतिस्मा लेता है वह बच जाएगा

7. प्रेरितों के काम 2:38- "पतरस ने उत्तर दिया, "पश्चाताप करो और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले। और तुम पवित्र आत्मा का उपहार प्राप्त करोगे।"

एक। इस बपतिस्मा का उद्देश्य क्या है?

____1) पापों की क्षमा (क्षमा) के लिए

____2) दुनिया को यह घोषणा करने के लिए कि आप बच गए हैं

____3) एक धार्मिक संप्रदाय का सदस्य बनने के लिए

8. प्रेरितों के काम 22:16- "और अब आप किसका इंतज़ार कर रहे हैं? उठो, बपतिस्मा लो और उसका नाम लेकर अपने पापों को धोओ।”

एक। शाऊल को कब बचाया गया?

____1) जब उसने दमिश्क के रास्ते में यीशु पर विश्वास किया

____2) जब उन्होंने दमिश्क में प्रार्थना की और उपवास किया

____ 3) जब उसने अपने पापों से धोकर बपतिस्मा लिया था

बी। शाऊल ने यहोवा से क्या करने को कहा?

____1) उसके पाप धो लो

____2) दुनिया को बताएं कि उसे बचाया गया था

9. कुलुस्सियों 2:12- "बपतिस्मा में उसके साथ दफनाया गया और उसके साथ ईश्वर की शक्ति में विश्वास के माध्यम से उठाया गया, जिसने उसे मृतकों में से जिलाया।"

एक। क्या बपतिस्मा परमेश्वर की शक्ति में विश्वास की अभिव्यक्ति है हाँ या नहीं

बी। क्या उस व्यक्ति को बपतिस्मा देना सही है जो मसीह में विश्वास नहीं करता है? है कि नहीं

10. रोमियों 6:3-6- "या क्या आप नहीं जानते कि हम सभी जिन्होंने ईसा मसीह में बपतिस्मा लिया था, उनकी मृत्यु में बपतिस्मा लिया गया था? इसलिथे हम उसके साथ मृत्यु के बपतिस्मे के द्वारा गाड़े गए, कि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी एक नया जीवन जीएं। यदि हम उसकी मृत्यु के समय उसके साथ ऐसे ही एक हो गए हैं, तो उसके पुनरुत्थान में हम

resurrection."

a. Does the new life in Christ begin before or after this burial and resurrection of baptism?_____

11. How was your baptism?

a. Did you believe in Jesus when you were baptized? **YES or NO**

b. Was your baptism a burial (immersion) in water? **YES or NO**

c. Was your baptism for the forgiveness of your sins? **YES or NO**

d. Did you repent of your sins before you were baptized? **YES or NO**

e. Was your baptism biblical and thus valid? **YES or NO**

Summary

For you to leave behind the world of sin and become a Christian, you must hear and understand the good news of Jesus Christ. Believe that Jesus is the Son of God who lived a sinless life, died on the cross in your place and then rose from the dead on the third day. You must repent of your sins, deciding sincerely that you are going to live in submission to the Lord Jesus. You must confess Him as Lord and be baptized (immersed) in water, in the name of Jesus Christ for the forgiveness of your sins. Doing this, you begin the Christian life, free of the fear of God's punishment and secure in the hope of eternal life in Christ. Stop now and reflect on your need to become a Christian. If you have already been converted to Christ, ask yourself if your conversion was according to the Bible or not. But before making such an important decision, you should know about the commitment that the true Christian assumes.

WHAT IS GOD'S WILL FOR HIS CHURCH?

In these readings you will learn what God wants of you as a Christian and a member of

भी निश्चय उसके साथ एक हो जाएंगे।"

एक। क्या मसीह में नया जीवन इस दफनाने और बपतिस्मा के पुनरुत्थान के पहले या बाद में शुरू होता है?_____

11. आपका बपतिस्मा कैसा था?

एक। जब आपने बपतिस्मा लिया था तब क्या आपने यीशु पर विश्वास किया था? है कि नहीं

बी। क्या आपका बपतिस्मा पानी में दफन (विसर्जन) था? है कि नहीं

सी। क्या आपका बपतिस्मा आपके पापों की क्षमा के लिए था? है कि नहीं

डी। क्या आपने बपतिस्मा लेने से पहले अपने पापों का पश्चाताप किया था? है कि नहीं

इ। क्या आपका बपतिस्मा बाइबिल था और इस प्रकार मान्य था? है कि नहीं

सारांश

पाप की दुनिया को पीछे छोड़ने और ईसाई बनने के लिए, आपको यीशु मसीह की खुशखबरी को सुनना और समझना चाहिए। विश्वास करें कि यीशु परमेश्वर के पुत्र हैं जिन्होंने एक पाप रहित जीवन जिया, आपके स्थान पर क्रूस पर मरे और फिर तीसरे दिन मृतकों में से जी उठे। आपको अपने पापों का पश्चाताप करना चाहिए, ईमानदारी से निर्णय लेते हुए कि आप प्रभु यीशु के अधीन रहने के लिए जीने जा रहे हैं। आपको उसे प्रभु के रूप में स्वीकार करना चाहिए और अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम पर पानी में बपतिस्मा (डुबना) लेना चाहिए। ऐसा करने से, आप ईसाई जीवन शुरू करते हैं, ईश्वर की सजा के डर से मुक्त और मसीह में अनन्त जीवन की आशा में सुरक्षित। अभी रुकें और ईसाई बनने की अपनी आवश्यकता पर चिंतन करें। यदि आप पहले ही मसीह में परिवर्तित हो चुके हैं, तो अपने आप से पूछें कि क्या आपका रूपांतरण बाइबल के अनुसार हुआ था या नहीं। लेकिन इतना महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले,

उसकी कलीसिया के लिए परमेश्वर की इच्छा क्या है?

इन रीडिंग में आप सीखेंगे कि एक ईसाई और अपने आध्यात्मिक शरीर, चर्च के सदस्य के रूप में भगवान आपसे क्या चाहते हैं। चर्च क्या है? चर्च कैसा होना चाहिए? चर्च को क्या करना चाहिए? चर्च के

His spiritual body, the church. What is the church? How should the church be? What should the church do? What is your responsibility as a member of the church?

1. Ephesians 1:22-23 - “And God placed all things under his feet and appointed him to be head over everything for the church, which is his body, the fullness of him who fills everything in every way.”

a. Who has all authority over the church? _____

b. Who is the head of the church?

____1) The Roman Catholic Pope

____2) Some Protestant Pastor, Bishop or Reverend

____3) Only Jesus Christ

c. Is the church called the body of Christ? **YES or NO**

2. Ephesians 4:4 - “There is one body and one Spirit- just as you were called to one hope when you were called.”

a. According to the Bible, how many bodies does Jesus have? _____

b. The church (the body of Christ) should submit to:

____1) the traditions and human’s decrees

____2) Jesus, who is head of the church

3. John 17:21 - “... that all of them may be one, Father, just as you are in me and I am in you. May they also be in us so that the world may believe that you have sent me.”

a. Jesus wants all his followers to be:

____1) united

____2) divided into various religious denominations

4. 1 Corinthians 1:10-13 – “I appeal to you, brothers, in the name of our Lord Jesus Christ, that all of you agree with one another so that there may be no divisions among you and that you may be perfectly united in mind and thought. My brothers, some from Chloe's household have informed me that there are quarrels among you. What I mean is this: One of you says, ‘I follow Paul’;

सदस्य के रूप में आपकी क्या जिम्मेदारी है?

1. इफिसियों 1:22-23- "और परमेश्वर ने सब कुछ उसके पांवों के नीचे रखा, और उसे कलीसिया के लिए सब कुछ का मुखिया नियुक्त किया, जो कि उसका शरीर है, उसकी परिपूर्णता जो हर चीज में हर चीज को भरती है।"

एक। चर्च पर पूरा अधिकार किसके पास है? _____

बी। चर्च का मुखिया कौन है?

____1) रोमन कैथोलिक पोप

____2) कुछ प्रोटेस्टेंट पादरी, बिशप या रेवरेंड

____3) केवल यीशु मसीह

सी। क्या कलीसिया को मसीह की देह कहा जाता है? है कि नहीं

2. इफिसियों 4:4- "एक शरीर और एक आत्मा है - जैसे आपको एक आशा के लिए बुलाया गया था जब आपको बुलाया गया था।"

एक। बाइबिल के अनुसार यीशु के कितने शरीर हैं? _____

बी। चर्च (मसीह का शरीर) को प्रस्तुत करना चाहिए:

____1) परंपराएं और मानव के फरमान

____2) यीशु, जो चर्च का मुखिया है

3. यूहन्ना 17:21- "... कि वे सभी एक हों, पिता, जैसे आप मुझ में हैं और मैं आप में हूं। वे भी हम में रहें, कि जगत विश्वास करे, कि तू ही ने मुझे भेजा है।”

एक। यीशु चाहता है कि उसके सभी अनुयायी हों:

____1) संयुक्त

____2) विभिन्न धार्मिक संप्रदायों में विभाजित

4. 1 कुरिन्थियों 1:10-13- "हे भाइयो, मैं अपने प्रभु यीशु मसीह के नाम से तुम से बिनती करता हूं, कि तुम सब एक दूसरे से सहमत हो जाओ, कि तुम में फूट न हो, और तुम मन और विचार में एक हो जाओ। मेरे भाइयों, क्लो के परिवार के कुछ लोगों ने मुझे सूचित किया है कि तुम्हारे बीच झगड़े हैं। मेरा मतलब यह है: आप में से एक कहता है, 'मैं पॉल का अनुसरण करता हूं'; दूसरा, 'मैं अपुल्लोस का अनुसरण करता हूं;' दूसरा, 'मैं कैफा का अनुसरण करता हूं;' एक और, 'मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।' क्या मसीह विभाजित है? क्या पॉल आपके लिए क्रूस पर चढ़ाया गया था? क्या तुमने पौलुस के नाम से बपतिस्मा

another, 'I follow Apollos;' another, 'I follow Cephas;' still another, 'I follow Christ.' Is Christ divided? Was Paul crucified for you? Were you baptized into the name of Paul?"

a. Does God condemn divisions in His church? **YES or NO**

b. Some people say: "How wonderful it is that there are so many denominations and churches because everybody can choose a church that suits them." Is this **RIGHT or WRONG?**

5. Ephesians 4:16 - "... From him the whole body, joined and held together by every supporting ligament, grows and builds itself up in love, as each part does its work."

a. Should every Christian participate actively in the life and work of the church? **YES or NO**

6. Hebrews 10:24-25 - "And let us consider how we may spur one another on toward love and good deeds. Let us not give up meeting together, as some are in the habit of doing, but let us encourage one another-and all the more as you see the Day approaching."

a. Does God want all Christians to regularly participate in the meetings of the church? **YES or NO**

7. Acts 2:42 - "They devoted themselves to the apostles' teaching and to the fellowship, to the breaking of bread and to prayer."

a. The Christian life consists of persevering in:

____1) the apostles' teachings
____2) fellowship
____3) observance of the Lord's Supper
____4) prayer
____5) all these items

8. Acts 17:11 - "Now the Bereans were of more noble character than the Thessalonians, for they received the message with great eagerness and examined the Scriptures every day to see if what Paul said was true."

लिया था?"

एक। क्या परमेश्वर अपने चर्च में विभाजन की निंदा करता है? है कि नहीं

बी। कुछ लोग कहते हैं: "यह कितना अद्भुत है कि इतने सारे संप्रदाय और चर्च हैं क्योंकि हर कोई अपने लिए उपयुक्त चर्च चुन सकता है।" क्या यह सही है या गलत?

5. इफिसियों 4:16 - "... सारा शरीर उसी से जुड़ा हुआ है, और हर एक बंधन से जुड़ा हुआ है, बढ़ता है और अपने आप को प्यार में बनाता है, जैसा कि प्रत्येक अंग अपना काम करता है।"
एक। क्या प्रत्येक मसीही विश्वासी को कलीसिया के जीवन और कार्य में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए? है कि नहीं

6. इब्रानियों 10:24-25- "और हम विचार करें कि हम प्रेम और भले कामों की ओर एक दूसरे को कैसे प्रेरित कर सकते हैं। आइए हम एक साथ मिलना न छोड़ें, जैसा कि कुछ करने की आदत है, लेकिन आइए हम एक-दूसरे को प्रोत्साहित करें-और इससे भी ज्यादा जब आप दिन को आते देखते हैं। "

एक। क्या परमेश्वर चाहता है कि सभी ईसाई नियमित रूप से चर्च की सभाओं में भाग लें? है कि नहीं

7. प्रेरितों के काम 2:42- "उन्होंने खुद को प्रेरितों की शिक्षा और संगति के लिए, रोटी तोड़ने और प्रार्थना करने के लिए समर्पित कर दिया।"

एक। ईसाई जीवन में दृढ़ता शामिल है:

____1) प्रेरितों की शिक्षाएं
____2) फेलोशिप
____3) प्रभु भोज का पालन
____4) प्रार्थना
____5) ये सभी आइटम

8. प्रेरितों के काम 17:11- "अब बेरियन थिस्सलुनीकियों की तुलना में अधिक महान चरित्र के थे, क्योंकि उन्होंने बड़ी उत्सुकता के साथ संदेश प्राप्त किया और हर दिन पवित्रशास्त्र की जांच की कि क्या पॉल ने जो कहा वह सच था।"

एक। क्या आपको, एक ईसाई के रूप में, यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी बाइबल का अध्ययन करना चाहिए कि जो आप सुनते हैं

a. Should you, as a Christian, study your Bible to make sure that what you hear is true or not?

YES or NO

9. Colossians 3:16 - “Let the word of Christ dwell in you richly as you teach and admonish one another with all wisdom, and as you sing psalms, hymns and spiritual songs with gratitude in your hearts to God.”

a. Does the Lord want Christians to edify and encourage one another by singing hymns, and praises? **YES or NO**

10. Romans 12:1-2 - “Therefore, I urge you, brothers, in view of God's mercy, to offer your bodies as living sacrifices, holy and pleasing to God-this is your spiritual act of worship. Do not conform any longer to the pattern of this world, but be transformed by the renewing of your mind. Then you will be able to test and approve what God's will is-his good, pleasing and perfect will.”

a. Should your whole life be dedicated to the Lord? **YES or NO**

b. Make a list of some areas in your life that you can dedicate to God:

1) _____
2) _____
3) _____

Summary

The Christian life is a life of participation and involvement in the church, in evangelism and in good works. To be a Christian means a serious commitment that you must think about beforehand. But remember, there is no salvation in any other way.

HOW TO KEEP YOUR ETERNAL LIFE

In these readings you will learn how to remain in possession of eternal life that God gave you when you became a Christian. Remember that many may say “I am a Christian” or “I am saved” but the life of a true Christian will reveal itself in deeds.

वह सच है या नहीं?

है कि नहीं

9. कुलुस्सियों 3:16- "मसीह के वचन को आप में समृद्ध रूप से रहने दें, जैसा कि आप एक दूसरे को सभी ज्ञान के साथ सिखाते हैं और सलाह देते हैं, और जब आप भगवान के प्रति अपने दिलों में कृतज्ञता के साथ भजन, भजन और आध्यात्मिक गीत गाते हैं।"

एक। क्या प्रभु चाहते हैं कि ईसाई भजन गाकर और स्तुति गाकर एक दूसरे को उन्नत और प्रोत्साहित करें? है कि नहीं

10. रोमियों 12:1-2- "इसलिए, मैं आपसे, भाइयों, भगवान की दया के कारण, अपने शरीर को जीवित, पवित्र और भगवान को प्रसन्न करने वाले बलिदान के रूप में पेश करने का आग्रह करता हूं - यह आपकी पूजा का आध्यात्मिक कार्य है। अब इस दुनिया के पैटर्न के अनुरूप मत बनो, बल्कि अपने मन के नवीनीकरण से रूपांतरित हो जाओ। तब तुम परमेश्वर की इच्छा, उसकी भली, मनभावन और सिद्ध इच्छा को परखने और उसे स्वीकार करने में समर्थ होगे।”

एक। क्या आपका पूरा जीवन प्रभु को समर्पित होना चाहिए? है कि नहीं

बी। अपने जीवन के कुछ क्षेत्रों की सूची बनाएं जिन्हें आप भगवान को समर्पित कर सकते हैं:

1) _____
2) _____
3) _____

सारांश

ईसाई जीवन चर्च में, सुसमाचार प्रचार में और अच्छे कार्यों में भागीदारी और भागीदारी का जीवन है। एक ईसाई होने का अर्थ है एक गंभीर प्रतिबद्धता जिसके बारे में आपको पहले से सोचना चाहिए। लेकिन ध्यान रहे, किसी अन्य तरीके से कोई मोक्ष नहीं है।

अपना अनंत जीवन कैसे रखें

इन रीडिंग्स में आप सीखेंगे कि कैसे अनंत जीवन के कब्जे में रहना है जो भगवान ने आपको ईसाई बनने पर दिया था। याद रखें कि बहुत से लोग कह सकते हैं कि "मैं एक ईसाई हूं" या "मैं बच गया हूं" लेकिन एक सच्चे ईसाई का जीवन कर्मों में खुद को प्रकट करेगा।

1. 1 यूहन्ना 1:5-7- "यह वह संदेश है जो हमने उससे सुना है और आपको घोषित करता है: भगवान प्रकाश है; उस में कोई अँधेरा नहीं है।

1. 1 John 1:5-7 - “This is the message we have heard from him and declare to you: God is light; in him there is no darkness at all. If we claim to have fellowship with him yet walk in the darkness, we lie and do not live by the truth. But if we walk in the light, as he is in the light, we have fellowship with one another, and the blood of Jesus, his Son, purifies us from all sin.”

a. If you, as a Christian, begin to live in the darkness, will you lose your fellowship with God?

YES or NO

b. If a Christian quits walking in the light, will the blood of Jesus still cleanse him of his sin?

YES or NO

2. 1 John 2:9 - “Anyone who claims to be in the light but hates his brother is still in the darkness.”

a. If you, as a Christian, do not live loving your brethren in Christ, will you continue to be saved?

YES or NO

3. 1 John 2:3-6 - “We know that we have come to know him if we obey his commands. The man who says, "I know him," but does not do what he commands is a liar, and the truth is not in him. But if anyone obeys his word, God's love is truly made complete in him. This is how we know we are in him: Whoever claims to live in him must walk as Jesus did.”

a. If a Christian stops obeying Jesus, will he still be saved?

YES or NO

4. 1 John 4:1,6 - “Dear friends, do not believe every spirit, but test the spirits to see whether they are from God, because many false prophets have gone out into the world. … “We are from God, and whoever knows God listens to us; but whoever is not from God does not listen to us. This is how we

यदि हम उसके साथ संगति करने का दावा करते हैं फिर भी अन्धकार में चलते हैं, तो हम झूठ बोलते हैं और सत्य के अनुसार नहीं जीते हैं। परन्तु यदि हम जैसे ज्योति में चलते हैं, वैसे ही वह भी ज्योति में चलता है, तो हमारी आपस में संगति होती है, और उसके पुत्र यीशु का लोहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।”

एक। यदि आप, एक ईसाई के रूप में, अंधेरे में रहना शुरू करते हैं, तो क्या आप परमेश्वर के साथ अपनी संगति खो देंगे?

है कि नहीं

बी। यदि कोई ईसाई प्रकाश में चलना छोड़ देता है, तो क्या यीशु का लहू अब भी उसे उसके पापों से शुद्ध करेगा?

है कि नहीं

2. 1 यूहन्ना 2:9- "जो कोई प्रकाश में होने का दावा करता है लेकिन अपने भाई से नफरत करता है वह अभी भी अंधेरे में है।"

एक। यदि आप, एक मसीही विश्वासी के रूप में, मसीह में अपने भाइयों से प्रेम करते हुए नहीं जीते हैं, तो क्या आप बचाया जाना जारी रखेंगे?

है कि नहीं

3. 1 यूहन्ना 2:3-6- "हम जानते हैं कि हम उसे जान गए हैं यदि हम उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं। वह आदमी जो कहता है, "मैं उसे जानता हूं," लेकिन वह जो वह आज्ञा देता है वह नहीं करता वह झूठा है, और उसमें सच्चाई नहीं है। परन्तु यदि कोई उसके वचन का पालन करता है, तो परमेश्वर का प्रेम उस में सचमुच पूरा हो गया है। हम इस प्रकार जानते हैं कि हम उसमें हैं: जो कोई उस में रहने का दावा करता है, वह यीशु की नाईं चले।”

एक। यदि एक ईसाई यीशु की आज्ञा का पालन करना बंद कर देता है, तो क्या वह अभी भी बच जाएगा?

है कि नहीं

4. 1 यूहन्ना 4:1,6- “प्रिय मित्रों, हर एक आत्मा की प्रतीति न करो, परन्तु आत्माओं को परखो कि वे परमेश्वर की ओर से हैं कि नहीं, क्योंकि बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता जगत में निकल गए हैं। ... "हम परमेश्वर की ओर से हैं, और जो कोई परमेश्वर को जानता है, वह हमारी सुनता है; परन्तु जो कोई परमेश्वर की ओर से नहीं है, वह हमारी नहीं सुनता। इस प्रकार हम सत्य की आत्मा और असत्य की आत्मा

recognize the Spirit of truth and the spirit of falsehood."

a. Do all those who teach something in the name of some religion always teach the truth?

YES or NO

b. To be a true Christian, do you have to accept the teachings of his apostles? **YES or NO**

Summary

The Christian life is a life dedicated to the goal of every day becoming more like Jesus. This life begins when you believe in Jesus, repent of your sins and are baptized in the name of Christ for the forgiveness of your sins. This life is maintained as long as you continue to walk in the light (loving the brothers, obeying Jesus and believing the doctrine of Christ). This is the life worthy of the Lord. Reflect a while on the value and beauty of the truly Christian life. Don't be deceived by the life of some so-called "Christians" who profess it but do not live it. Jesus calls us to live the higher life, the life that is worthy of him.

REVIEW AND CONCLUSION

Review what you learned and make a personal application for your life, answering these questions:

1. Do you understand that you are a sinner in the eyes of God and deserving of eternal punishment?
   YES or NO

2. Do you understand that Jesus paid the price for your sins when he gave his life on the cross?

YES or NO

3. Do you truly love God and Jesus with all your heart? **YES or NO**

4. Do you, freely and truly, want to renounce

को पहचानते हैं।"

एक। क्या किसी धर्म के नाम पर कुछ सिखाने वाले हमेशा सच ही सिखाते हैं?

है कि नहीं

बी। एक सच्चे ईसाई होने के लिए, क्या आपको उसके प्रेरितों की शिक्षाओं को स्वीकार करना होगा? है कि नहीं

सारांश

ईसाई जीवन एक ऐसा जीवन है जो हर दिन यीशु की तरह बनने के लक्ष्य के लिए समर्पित है। यह जीवन तब शुरू होता है जब आप यीशु में विश्वास करते हैं, अपने पापों का पश्चाताप करते हैं और अपने पापों की क्षमा के लिए मसीह के नाम पर बपतिस्मा लेते हैं। यह जीवन तब तक बना रहता है जब तक आप प्रकाश में चलते रहते हैं (भाइयों से प्यार करना, यीशु की आज्ञा मानना और मसीह के सिद्धांत पर विश्वास करना)। यह जीवन प्रभु के योग्य है। वास्तव में ईसाई जीवन के मूल्य और सुंदरता पर कुछ समय चिंतन करें। कुछ तथाकथित "ईसाइयों" के जीवन से धोखा मत खाओ जो इसे मानते हैं लेकिन इसे नहीं जीते हैं। यीशु हमें उच्च जीवन जीने के लिए बुलाते हैं, वह जीवन जो उसके योग्य है।

समीक्षा और निष्कर्ष

आपने जो सीखा है उसकी समीक्षा करें और इन सवालों के जवाब देते हुए अपने जीवन के लिए एक व्यक्तिगत आवेदन करें:

2. क्या आप समझते हैं कि आप परमेश्वर की दृष्टि में पापी हैं और अनन्त दंड के पात्र हैं? है कि नहीं

2. क्या आप समझते हैं कि यीशु ने आपके पापों की कीमत चुकाई जब उसने क्रूस पर अपना जीवन दिया?
है कि नहीं

3. क्या आप सच्चे दिल से परमेश्वर और यीशु से प्यार करते हैं? है कि नहीं

4. क्या आप, स्वतंत्र रूप से और सही मायने में, सब कुछ त्यागना चाहते हैं और अपना जीवन यीशु को समर्पित करना चाहते हैं?
है कि नहीं

everything and dedicate your life to Jesus now?

YES or NO

5. Are you ready to confess publicly that Jesus is the Christ, the Son of God, and your only Lord?

YES or NO

6. Do you want to be united with Christ in baptism to be forgiven of all your sins? **YES or NO**

7. Do you desire to be just a Christian, a member of Christ's body, his church? **YES or NO**

8. Do you understand and are you ready to accept the commitments of the Christian life?

YES or NO

9. If you answered "YES" to all these questions, then prayerfully read Acts 22:16 – "And now why are you waiting? Arise and be baptized, and wash away your sins, calling on the name of the Lord" and 2 Thessalonians 1:6-9 … "since it is a righteous thing with God to repay with tribulation those who trouble you, and to give you who are troubled rest with us when the Lord Jesus is revealed from heaven with His mighty angels, in flaming fire taking vengeance on those who do not obey the gospel of our Lord Jesus Christ. These shall be punished with everlasting destruction from the presence of the Lord and from the glory of His power..."

These passages should motivate you to think seriously about your decision to obey the gospel of Jesus Christ. Meditate about this before making any decision but notice the urgency of being saved. Remember that no one knows the day or the hour when the Lord will return. The decision is yours. Do you really want to become a true Christian, freed

5. क्या आप सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के लिए तैयार हैं कि यीशु ही मसीह, परमेश्वर का पुत्र और आपका एकमात्र प्रभु है?
है कि नहीं

6. क्या आप अपने सभी पापों की क्षमा पाने के लिए बपतिस्मा में मसीह के साथ एक होना चाहते हैं? है कि नहीं

7. क्या आप सिर्फ एक ईसाई, मसीह के शरीर के सदस्य, उसके चर्च बनने की इच्छा रखते हैं? है कि नहीं

8. क्या आप समझते हैं और क्या आप ईसाई जीवन की प्रतिबद्धताओं को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं?
है कि नहीं

9. यदि आपने इन सभी प्रश्नों का उत्तर "हाँ" में दिया है, तो प्रेरितों के काम 22:16 को प्रार्थनापूर्वक पढ़ें - "और अब आप क्यों प्रतीक्षा कर रहे हैं? उठो और बपतिस्मा लो, और प्रभु से प्रार्थना करते हुए अपने पापों को धो लो" और 2 थिस्सलुनीकियों 1:6-9 ... "क्योंकि जो तुम्हें परेशान करते हैं, उन्हें क्लेश के साथ चुकाना और तुम्हें देना परमेश्वर के पास धर्म है। जब प्रभु यीशु अपने पराक्रमी स्वर्गदूतों के साथ स्वर्ग से प्रगट होते हैं, तो वे हमारे साथ विश्राम करते हैं, जो धधकती आग में हमारे प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार को नहीं मानने वालों से बदला लेते हैं। ये प्रभु की उपस्थिति से और उसकी शक्ति की महिमा से हमेशा के लिए विनाश के साथ दंडित किए जाएंगे ..."

ये मार्ग आपको यीशु मसीह के सुसमाचार का पालन करने के अपने निर्णय के बारे में गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित करेंगे। कोई भी निर्णय लेने से पहले इस पर ध्यान दें लेकिन बचाए जाने की तात्कालिकता पर ध्यान दें। याद रखें कि कोई नहीं जानता कि वह दिन या घड़ी कब आएगी। फैसला आपका है। क्या आप वास्तव में पाप के दोष से मुक्त होकर एक सच्चे ईसाई बनना चाहते हैं? क्या आप मृत्यु से बचना चाहते हैं और अनन्त जीवन में प्रवेश करना चाहते हैं?

जो लोग परमेश्वर के संदेश को स्वीकार करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने क्राइस्ट बॉडी, उनके चर्च में जोड़ा है।

<u>दुनिया के लिए भगवान का निमंत्रण</u>

from the guilt of sin? Do you want to escape death and enter into eternal life?

Those who accept God's message are added by God to Christ Body, His Church.

God's Invitation to the World

Matt 11:28-30 "Come to Me, all you who labor and are heavy laden, and I will give you rest. Take My yoke upon you and learn from Me, for I am gentle and lowly in heart, and you will find rest for your souls. For My yoke is easy and My burden is light."

1 Corinthians 2:9-11 "But as it is written: 'Eye has not seen, nor ear heard, Nor have entered into the heart of man The things which God has prepared for those who love Him.' But God has revealed them to us through His Spirit. For the Spirit searches all things, yes, the deep things of God. For what man knows the things of a man except the spirit of the man which is in him? Even so no one knows the things of God except the Spirit of God."

Matthew 28:18-20 "And Jesus came and spoke to them, saying, 'All authority has been given to Me in heaven and on earth. Go therefore and make disciples of all the nations, baptizing them in the name of the Father and of the Son and of the Holy Spirit, teaching them to observe all things that I have commanded you; and lo, I am with you always, even to the end of the age.' Amen."

Mark 1:14-15 Jesus came to Galilee, preaching the gospel of the kingdom of God, and saying, "The time is fulfilled, and the kingdom of God is at hand. Repent, and believe in the gospel."

Matthew 6:33-34 "But seek first the kingdom of God and His righteousness, and all these things shall be added to you. Therefore, do not worry about tomorrow, for tomorrow will worry about its own things. Sufficient for the day is its own trouble."

मत्ती 11:28-30 "हे सब परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ, और मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। मेरा जूआ अपने ऊपर ले लो और मुझ से सीखो, क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूं, और तुम अपने प्राणों को विश्राम पाओगे। क्योंकि मेरा जूआ सहज और मेरा बोझ हलका है।"

1 कुरिन्थियों 2:9-11 "परन्तु जैसा लिखा है, कि आंख ने नहीं देखा, और कानों ने नहीं सुना, और न ही मनुष्य के हृदय में प्रवेश किया है जो परमेश्वर ने अपने प्रेम रखने वालों के लिए तैयार किया है। परन्तु परमेश्वर ने उन्हें अपनी आत्मा के द्वारा हम पर प्रगट किया है। क्योंकि आत्मा सब वस्तुओं को, वरन परमेश्वर की गूढ़ बातों को भी खोजता है। मनुष्य की आत्मा को छोड़, जो उस में है, मनुष्य क्या जानता है? तौभी परमेश्वर की बातें परमेश्वर के आत्मा के सिवा और कोई नहीं जानता।"

मत्ती 28:18-20 "और यीशु ने आकर उनसे कहा, 'स्वर्ग और पृथ्वी पर सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिए जाकर सब जातियों को चेला बनाओ, और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी हैं, मानना सिखाओ; और देखो, मैं युग के अन्त तक सदा तुम्हारे साथ हूं।' तथास्तु।"

मरकुस 1:14-15यीशु गलील आए, सुसमाचार का प्रचार करते हुएपरमेश्वर के राज्य का, और कह रहा है, "समय पूरा हुआ, और परमेश्वर का राज्य निकट है। मन फिराओ, और सुसमाचार में विश्वास करो।"

मत्ती 6:33-34 "परन्तु पहिले परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो, तो ये सब वस्तुएं तुम्हें मिल जाएंगी। इसलिए कल की चिंता मत करो, क्योंकि आने वाला कल अपनी ही बातों की चिंता करेगा। दिन के लिए पर्याप्त अपनी परेशानी है।"

रोमियों 6:16-19"क्या तुम नहीं जानते, कि जिस की आज्ञा मानने के लिये तुम अपने आप को दास ठहराते हो, उसी के दास हो, जिस की आज्ञा मानते हो, चाहे पाप के कारण मृत्यु का, वा आज्ञा मानने का जो धर्म का कारण हो? परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, कि यद्यपि तुम

Romans 6:16-19 "Do you not know that to whom you present yourselves slaves to obey, you are that one's slaves whom you obey, whether of sin leading to death, or of obedience leading to righteousness? But God be thanked that though you were slaves of sin, yet you obeyed from the heart that form of doctrine to which you were delivered. And having been set free from sin, you became slaves of righteousness. I speak in human terms because of the weakness of your flesh.

"For just as you presented your members as slaves of uncleanness, and of lawlessness leading to more lawlessness, so now present your members as slaves of righteousness for holiness."

Acts 4:10-12 "Let it be known to you all, and to all the people of Israel, that by the name of Jesus Christ of Nazareth, whom you crucified, whom God raised from the dead, by Him this man stands here before you whole. This is the 'stone which was rejected by you builders, which has become the chief cornerstone.' Nor is there salvation in any other, for there is no other name under heaven given among men by which we must be saved."

Hear

- Study diligently and read what Christ taught for they are the Words of life.

Understand

- All men are sinful having disobeyed God's righteous ways and commands
- All have sinned and not living according to God's commands
- One's sin will result in their eternal death
- One must be forgiven to have eternal life with God
- Christ is the only way for one to be forgiven of all their sins

Believe

- Jesus Was and is God

पाप के दास थे, तौभी तुम ने मन से उस सिद्धांत का पालन किया, जिस के लिये तुम को छुड़ाया गया था। और पाप से छूटकर तुम धर्म के दास हो गए। मैं आपके शरीर की कमजोरी के कारण मानवीय शब्दों में बोलता हूं।

"क्योंकि जैसे तू ने अपके अंगोंको अशुद्धता और अधर्म के दास करके और अधर्म का कारण ठहराया, वैसे ही अब अपने अंगोंको पवित्रता के लिथे धार्मिकता के दास करके रख।"

प्रेरितों के काम 4:10-12"तुम सब को, और इस्त्राएलियों के सब लोगों को यह मालूम हो, कि नासरत के यीशु मसीह के नाम से, जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, और जिसे परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया, यह मनुष्य यहां तुम्हारे सब के साम्हने खड़ा है। यह वह पत्यर है, जिसे तुम बनानेवालों ने ठुकरा दिया था, और कोने का मुख्य पत्यर बन गया है। और न किसी दूसरे के द्वारा उद्धार है, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।"

सुनना

- लगन से अध्ययन करें और पढ़ें कि मसीह ने उनके लिए क्या सिखाया, वे जीवन के वचन हैं।

समझना

- परमेश्वर के धर्मी मार्गों और आज्ञाओं की अवज्ञा करके सभी मनुष्य पापी हैं
- सभी ने पाप किया है और परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार नहीं जी रहे हैं
- एक के पाप का परिणाम उनकी अनन्त मृत्यु में होगा
- परमेश्वर के साथ अनन्त जीवन पाने के लिए क्षमा की जानी चाहिए
- उनके सभी पापों से क्षमा पाने का एकमात्र तरीका मसीह है

विश्वास करना

- यीशुभगवान था और है
- वह गनासरत के यीशु के रूप में मानव शरीर में पृथ्वी पर आओ
- वहपुरुषों के बीच रहता था
- उसने स्वेच्छा से अपने पापरहित भौतिक जीवन को मेरे पापों के लिए पूर्ण बलिदान के रूप में दे दिया, क्रूस पर चढ़ाया गया

- He **c**ame to earth in human flesh as Jesus of Nazareth
- He lived among men
- He willingly gave His sinless physical life as the perfect sacrifice for my sins, being crucified
- He was buried
- God raised Him from the grave on the third day
- He appeared to hundreds following His resurrection
- He ascended back to heaven to be with the Father

Repent

- Change from sin and disobedience to trust and obedience

Confess

- Acknowledge publicly your belief that Jesus is the Son of God.

Seek

- Call upon God to forgive you of your sins

Die

- Put to death your old, sinful, worldly life

Be Buried

- Bury your sinful life you put to death in the grave of baptism by
  water immersion into the death, burial and resurrection of
  Christ, allowing God to raise you from the grave as a new Creation, cleansed of sin.

Receive

- The Holy Spirit as a deposit guaranteeing what is to come

Become

- As a new Christian God added you as His adopted child to
  the other children into the Church Christ established.

Live

- Continue to live steadfastly and obediently to Christ and the apostles teachings “I urge you to live a life worthy of the calling you have received. Be completely humble and gentle; be patient, bearing with one another in love. Make every effort to keep the unity of the Spirit through the bond of

- वहदफनाया गया
- परमेश्वर ने उसे तीसरे दिन कब्र में से जिलाया
- वहउनके पुनरुत्थान के बाद सैकड़ों लोगों को दिखाई दिया
- वहपिता के साथ रहने के लिए स्वर्ग में वापस चढ़ गया

मन फिराओ

- पाप और अवज्ञा से विश्वास और आज्ञाकारिता में परिवर्तन

अपराध स्वीकार करना

- सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास को स्वीकार करें कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।

पाना

- आपके पापों को क्षमा करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करें

मरना

- अपने पुराने, पापी, सांसारिक जीवन को मार डालो

दफन रहें

- बरी यूहमारे पापमय जीवन को आप ने बपतिस्मा की कब्र में मौत के घाट उतार दिया

मृत्यु, दफन और पुनरुत्थान में जल विसर्जन
मसीह, ईश्वर को आपको एक नई सृष्टि के रूप में कब्र से उठाने की अनुमति देता है, पाप से शुद्ध।

प्राप्त करना

- जमा राशि के रूप में पवित्र आत्मा आने वाले समय की गारंटी देता है

बनना

- एक नए ईसाई के रूप में भगवान ने आपको अपने दत्तक बच्चे के रूप में जोड़ा
  अन्य बच्चों को चर्च क्राइस्ट में स्थापित किया गया।

रहना

- मसीह और प्रेरितों की शिक्षाओं के प्रति दृढ़ता और आज्ञाकारी रूप से जीना जारी रखें "मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप उस बुलावे के योग्य जीवन जिएं जो आपको मिला है। पूरी तरह से विनम्र और कोमल बनो; सब्र रखो, प्रेम से एक दूसरे की सह लो। मेल के बन्धन के द्वारा आत्मा की एकता को बनाए रखने का भरसक प्रयत्न करो" (इफिसियों 4:1-3)।

प्रशन

peace" (Ephesians 4:1-3).

Questions

1. God desires all mankind not to perish but to come unto Him.
   T. ___ F. ___

2. Man is a slave to the one he chooses to follows - either God, the Father, or Satan, the father of evil.
   T. ___ F. ___

3. Salvation is found only in Christ
   T. ___ F. ___

4. All that God requires of man for him to inherit eternal life is for him to believe that God exist.
   T. ___ F. ___

5. When is the best time for one to seek salvation
   a. ___ After achieving one's goals and settles down
   b. ___ When he is no longer tempted to sin
   c. ___ Today

Take action – the "right time" is now. Today is the day of salvation. (2 Corinthians 6:2)

There is No Guarantee of a Tomorrow

The tragedy is that nobody has to lose Heaven and gain Hell. The choice is ours. We are free to determine our own eternal destiny. Heaven is a prepared place for a prepared people and Hell is a place prepared for an unprepared people.

2 Corinthians 6:2 "Behold, now is the accepted time; behold, now is the day of salvation."

John 15:10 "If ye keep my commandments, ye shall abide in my love; even as I have kept my Father's commandments, and abide in his

1. परमेश्वर चाहता है कि सारी मानवजाति नाश न हो बल्कि उसके पास आए।
   टी. ___ एफ. ___

2. मनुष्य उसका दास है जिसका वह अनुसरण करता है - या तो परमेश्वर, पिता, या शैतान, बुराई का पिता।
   टी. ___ एफ. ___

3. उद्धार केवल मसीह में पाया जाता है
   टी. ___ एफ. ___

4. अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए परमेश्वर मनुष्य से केवल यही अपेक्षा करता है कि वह यह विश्वास करे कि परमेश्वर का अस्तित्व है।
   टी. ___ एफ. ___

5. मोक्ष पाने का सबसे अच्छा समय कब है
   a. ___अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और घर बसाने के बाद
   b. ___जब वह अब पाप करने के लिए ललचाता नहीं है
   c. ___ आज

कार्रवाई करें - "सही समय" अभी है। आज मोक्ष का दिन है. (2 कुरिन्थियों 6:2)

कल की कोई गारंटी नहीं है

त्रासदी यह है कि किसी को स्वर्ग नहीं खोना है और नर्क प्राप्त करना है। चुनाव हमारा है। हम अपने शाश्वत भाग्य को स्वयं निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र हैं। स्वर्ग तैयार लोगों के लिए तैयार जगह है और नर्क तैयार लोगों के लिए तैयार जगह है।

2 कुरिन्थियों 6:2"देखो, अब स्वीकृत समय है; देख, अब उद्धार का दिन है।"

यूहन्ना 15:10"यदि तुम मेरी आज्ञाओं को मानोगे, तो मेरे प्रेम में बने रहोगे; जैसा मैं ने अपके पिता की आज्ञाओं को माना है, और उसके प्रेम में बना रहता हूं।"

love.”

Conclusion

Those “In Christ” must be aware of temptations constantly set before them by the Devil There are examples in both the Old Testament and New Testament of God’s children disobeying God and going back into the ways of the world.

Those not “In Christ” who desire to be His Child need to seriously consider what the Bible has told others to do.

निष्कर्ष

उन "मसीह में" को उन प्रलोभनों से अवगत होना चाहिए जो शैतान द्वारा उनके सामने लगातार रखे जाते हैं पुराने नियम और नए नियम दोनों में परमेश्वर के बच्चों के परमेश्वर की अवज्ञा करने और दुनिया के तरीकों में वापस जाने के उदाहरण हैं।

जो "मसीह में" नहीं हैं, जो उसकी संतान होने की इच्छा रखते हैं, उन्हें गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है कि बाइबल ने दूसरों को क्या करने के लिए कहा है।

International Bible Knowledge Institute - अंतर्राष्ट्रीय बाइबल ज्ञान संस्थान

Electives Studies - वैकल्पिक अध्ययन

Mortal Man From Life to Death - नश्वर मनुष्य जीवन से मृत्यु तक
Planned Redemption - नियोजित मोचन
Creation before Genesis - उत्पत्ति से पहले का निर्माण
What Shall We Do? हम क्या करें?
End of Time on Earth - पृथ्वी पर समय का अंत
Marriage and Divorce - विवाह और तलाक
Silence of the Scriptures - शास्त्रों की चुप्पी
Daniel - डैनियल
First Principles of Christ - मसीह के पहले सिद्धांत
Holy Spirit - पवित्र आत्मा
Types and Metaphors - पवित्र आत्मा

Additional Studies - वैकल्पिक अध्ययन

Today's Church Practices - वैकल्पिक अध्ययन
Compiling and Translating the Bible - बाइबल का संकलन और अनुवाद
Shadows, Types and Prophecies - छाया, प्रकार और भविष्यवाणियां
Teachings & Practices after AD 100 - 100 ईस्वी के बाद की शिक्षाएं और व्यवहार
God's Sabbath - भगवान का सब्त
Promises Now and For Evermore - वादे अभी और हमेशा के लिए
God's Rebuilding Process - भगवान की पुनर्निर्माण प्रक्रिया
Living The Maximum Life - अधिकतम जीवन जीना
Real Men are Godly Men - सच्चे पुरुष ईश्वरीय पुरुष हैं
Living For One Another - एक दूसरे के लिए जीना
Greatest Questions Ever Asked - अब तक के सबसे बड़े सवाल
Wonderful Words Of Life - जीवन के अद्भुत शब्द
Lessons From The Cross - क्रॉस से सबक
Jehovah's Witnesses church - यहोवा के साक्षी चर्च

Interesting but not required for BKS award - दिलचस्प है लेकिन बीकेएस पुरस्कार के लिए आवश्यक नहीं

Outlined Bible - उल्लिखित बाइबिल
Summarized - सारांशित बाइबिल

LESSONS AND SERVICES PROVIDED BY ***INTERNATIONAL BIBLE KNOWLEDGE INSTITUTE*** ARE FREE OF CHARGE.
YOU WILL NEVER BE ASK FOR TUITION OR ANY OTHER FEE. **IBKI** IS NOT AN ACCREDITED INSTITUTION.

अंतर्राष्ट्रीय बाइबल ज्ञान संस्थान द्वारा प्रदान किए जाने वाले पाठ और सेवाएं नि:शुल्क हैं। आपसे कभी भी ट्यूशन या कोई अन्य शुल्क नहीं मांगा जाएगा। आईबीकेआई एक मान्यता प्राप्त संस्थान नहीं है।

International Bible Knowledge Institute **Randolph Dunn, President** **Roberto Santiago, Dean**		अंतर्राष्ट्रीय बाइबल ज्ञान संस्थान **S.M.Vinay Kumar,** **IBKI India Director**

संस्थान का लक्ष्य परमेश्वर और उसकी इच्छा के बारे में अधिक जानने में रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति को बाइबल पाठ उपलब्ध कराना है। पाठों को प्रिंट करने के लिए डाउनलोड किया जा सकता है, ऑनलाइन अध्ययन किया जा सकता है या व्यक्तियों या चर्चों द्वारा ईमेल मंत्रालय में उपयोग किया जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय बाइबिल ज्ञान संस्थान (IBKI) से डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए एक छात्र ने चार आवश्यक पाठ्यक्रम और 7 वैकल्पिक पाठ पूरे किए होंगे।

उन्नत अध्ययन "बीकेएस" (बाइबिल नॉलेज स्कॉलर) पुरस्कार प्राप्त करने के लिए, एक डिप्लोमा अर्जित करने के अलावा एक छात्र ने सभी वैकल्पिक पाठ और 7 अतिरिक्त अध्ययन पूरे कर लिए होंगे।

आईबीकेआई गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए पुस्तकों और पाठों को उनकी संपूर्णता में बिना किसी परिवर्तन या शुल्क के पुनः पेश करने की अनुमति देता है।

Course One - The Message | कोर्स एक - संदेश

- How Did Everything Get Here? सब कुछ यहाँ कैसे आया?
- The Man Who Was God वह आदमी जो भगवान था
- Christ - God's Mystery क्राइस्ट - भगवान का रहस्य
- Myths About God भगवान के बारे में मिथक

Course Two - Obedience To His Message | पाठ्यक्रम दो - उनके संदेश की आज्ञाकारिता

- Time Before Christ मसीह से पहले का समय
- Time Christ on the Earth पृथ्वी पर समय मसीह
- Time After Christ मसीह के बाद का समय
- Time to Decide तय करने का समय
- From Death Through The Cross To Life मृत्यु से क्रूस के द्वारा जीवन की

Course Three -A New Spiritual Life In Christ | कोर्स तीन -मसीह में एक नया आध्यात्मिक जीवन

- Baptism into Christ मसीह में बपतिस्मा
- Life to Death - The Mortal Life
- A Kingdom Not Made With Hands हाथों से नहीं बना साम्राज्य
- Servants In The Kingdom राज्य में सेवक
- Message From The Epistles पत्रियों से संदेश
- Worship God In Spirit and Truth आत्मा और सच्चाई से परमेश्वर की आराधना करें

Course Four - Maturing In Christ | कोर्स चार - मसीह में परिपक्व होना

- Jesus of Nazareth नासरत का यीशु
- Life Of Christ मसीह का जीवन
- United in Christ में संयुक्त
- Spiritual Milk आध्यात्मिक दूध
- Body, Soul, Spirit - Where Do They Go When You Die? शरीर, आत्मा, आत्मा - जब आप मरते हैं तो वे कहाँ जाते हैं?
- Living Liberated लिविंग लिबरेटेड
- Revelation Of Jesus Christ यीशु मसीह का रहस्योद्घाटê

कृपया इस कार्यक्रम और पाठों के बारे में सभी प्रश्नों को इस पते पर अपने नामित शिक्षक को निर्देशित करें।

Distributed by
Hyderabad & Naidupet Church of Christ,
1-2-168, CBN Colony, Helping Hands Trust,
Naidupet-524 126, A.P,India